आषाढ़ शुक्ल पक्ष -10, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 26 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
16 जुलाई 2024 मंगलवार

आज का मौसम

32 अधिकतम
24 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

घायल शावकों के पास बैठकर बाघिन ने गुजारी रात

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल से इटारसी रेल ट्रेक पर बीती शाम बुधनी में ट्रेन की चपेट में आने घायल शावकों की हालत बिगड सकती है, वे दोनों चल भी नहीं पा रहे हैं और उनकी बाघिन मां रात से उनके पास से हट नहीं रही है, ऐसे में डॉक्टर और रेस्क्यू टीम घायल शावकों के पास नहीं पहुंच पा रही है।

चूंकिअफसर पास नहीं जा पा रहे हैं लिहाजा वन विभाग के अफसरों ने शावकों को ट्रेन से रेस्क्यू करने का प्लान बनाया है। शावकों को ट्रेन से भीमबेटका रेलवे क्रॉसिंग तक लाया जाएगा। इसके बाद रेस्क्यू

रेस्क्यू प्लान मंजूर , अब वन विहार लाने की तैयारी

व्हीकल में शिफ्ट कर वन विहार भोपाल भेजा जाएगा। इसके लिए वन मुख्यालय से मंजूरी मिल गई है। अब वन विभाग के अफसरों ने रेस्क्यू के दो प्लान बनाए हैं। दोनों ही प्लान को मंजूरी के लिए भोपाल मुख्यालय भेजा गया है। इसके तहत ट्रेन को 5 मिनट के लिए रोककर रेस्क्यू किया जाएगा। या फिर दोनों शावकों को मैन्युअल ट्रैंकुलाइज कर पारंपरिक पद्धति से रेस्क्यू किया जाएगा। वन अफसर घायल शावकों को इलाज के लिये वन विहार लाने की कोशिश में हैं।

बुधनी के मिडघाट रेलवे ट्रैक के खंभा नंबर 800/18 के पास ट्रेन की चपेट में आने से एक बाघ की मौत हो गई थी। जबकि दो शावक घायल हैं।जिस बाघ की मौत हुई थी, उसके शव का पोस्टमॉर्टम सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के डॉक्टर गुरुदत्त शर्मा और उनकी टीम ने बुधनी डिपो में किया। इसके बाद शव का अंतिम संस्कार भी बुधनी डिपो परिसर में ही किया गया।

वाराणसी में हर घंटे बढ रहा जलस्तर, मप्र में

नई दिल्ली/भोपाल, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के 20 जिलों में बाढ़ के हालात बन गये हैं। नेपाल बॉर्डर की नदियों के साथ ही गंगा भी उफान पर है। वाराणसी में गंगा का जलस्तर हर घंटे 5-10 सेंटीमीटर ब? रहा है। गोरखपुर में राप्ती नदी खतरे के निशान के पार बह रही है। सड़कों पर नाव चल रही है।

गृह मंत्री अमित शाह ने सीएम योगी से बाढ़ की हालात को लेकर चर्चा भी की है। उधर, बिहार में भी बाढ़ के हालात हैं। मुजफ्फरपुर में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। वहीं मौसम विभाग ने गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक और गोवा के लिए आज बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मप्र के इंदौर उज्जैन मे सुबह तेज बारिश हुई है। वहीं भोपाल में हल्की बारिश का दौर चलेगा। 19 जुलाई से बन रहा नया सिस्टम तेज बरसात का दौर लाएगा।

पटवारी के फोन हो रहे टेप? पुलिस से शिकायत

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के फोन टेप करने के आरोपों को लेकर आज कांग्रेस नेताओं ने पुलिस मुख्यालय में दस्तक दी। कांग्रेस का आरोप है कि पटवारी के फोन टेप किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने जनसंवाद शिविर में समझाई सरकार की अपेक्षाएं, अमरवाड़ा में विजय रैली

विकास के एजेंडे पर सीएम के अफसरों को फिर साफ निर्देश, शाह का अभिषेक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज अपनी सरकार के विकास एजेंडे का पाठ अफसरों को फिर पढ़ाया। इसके बाद उन्होंने छिंदवाड़ा जिले के अमरवाडा का रुख किया, जहां हाल में विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की जीत हुई है और यहां से जीतने वाले पुराने कांग्रेसी व मौजूदा भाजपा विधायक कमलेश शाह का 'कैबिनेट में अभिषेक' होने वाला है। यादव वहां विजय जलूस में हिस्सा ले रहे हैं। जानकार सूत्रों का कहना है कि शाह को कैबिनेट में लेने के साथ ही कुछ और विधायकों को मंत्री बनाने की कवायद भाजपा के भीतर लगातार जारी है। कल इसे लेकर महत्वपूर्ण व निर्णायक मंथन हो सकता है। सीएम आज छिंदवाडा से ही जबलपुर में प्रस्तावित इन्वेस्टर्स समिट के लिए बालाघाट,सिवनी, पांढुर्ना के व्यवसायियों व उद्योगपतियों से भी संवाद करके निवेश की संभावना टटोलेंगे।

जबलपुर में इन्वेस्टर्स समिट के लिए छिंदवाड़ा व आसपास के जिलों के उद्यामियों से बातचीत का भी कार्यक्रम

संवेदनशील बनें अफसर

भोपाल से रवाना होने से पहले सीएम यादव ने अपने निवास कार्यालय से जनसंवाद शिविर को वीसी के जरिये संबोधित किया। शासन की जनकल्याणकारी और हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ प्रदान करने तथा मूलभूत सुविधाओं से संबंधित समस्याओं का वार्ड और पंचायत स्तर पर निराकरण करने के उद्देश्य से आयोजित जनसंवाद शिविर में कहा कि यह एजेंडा ही जारी रहेगा और जनसमस्या निराकरण में विलंब बर्दाश्त नहीं होगा। विकास का एजेंडा निरंतर जारी रहेगा। शासकीय योजनाओं का लाभ सभी पात्र व्यक्तियों को सुगमता से उपलब्ध कराना राज्य शासन का मुख्य उद्देश्य है। उन्होने अफसरों को हिदायत दी कि जनसामान्य की मूलभूत सुविधाओं से संबंधित समस्याओं का निराकरण भी संवेदनशीलता के साथ बिना विलंब के किया जाए। यह जनसंवाद शिविर उज्जैन के लिये रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन अब महानगर बन रहा है। देश विदेश में नगर की सकारात्मक छवि निर्मित हो, इस दिशा में सभी को समन्वित रूप से प्रयास करने होंगे। मंदिर प्रबंधन- यातायात व्यवस्था- श्रद्धालुओं के आवागमन और उनके ठहरने की व्यवस्था आदि में जन भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाए।

कश्मीर में आतंकियों के साथ एनकाउंटर में कैप्टन समेत पांच सैन्यकर्मी शहीद

श्रीनगर , एजेंसी।

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में डेसा जंगल के धारी गोटे उरारबागी में आतंकवादियों की फायरिंग में सेना के कैप्टन समेत 4 जवान शहीद हो गए। एक पुलिस कर्मी की भी मौत हो हुई। राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस यहां सोमवार से ही सर्च ऑपरेशन चला रही थी। सर्चिंग के दौरान आतंकी फायरिंग करते हुए भागे। जवानों ने उनका पीछा किया। घना जंगल होने की वजह से आतंकी सुरक्षाबलों को चकमा देते रहे। यह घटना देर रात की है। इसमें 5 जवान गंभीर रूप से घायल हो गए थे जिन्होंने इलाज के दौरान दम तो? दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन

सघन सर्च ऑपरेशन जारी

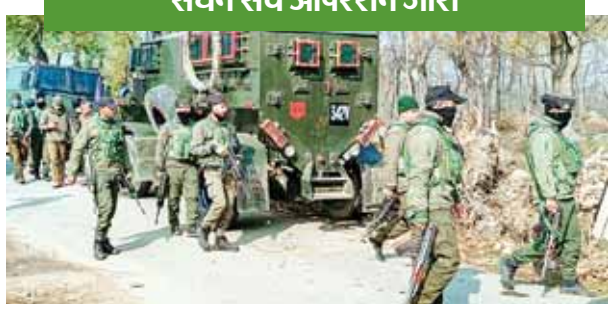

कश्मीर टाइगर्स ने ली है।

इसके बाद इलाके में सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है। आतंकियों को सेना हेलिकॉप्टर से भी सर्च कर रही है। सेना ने आतंकियों को घेर रखा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेना के अफसरों से मुठभेड़ की जानकारी ली है। जम्मू डिवीजन के डोडा में 34 दिन में यह पांचवां एनकाउंटर है। इससे पहले 9 जुलाई को एनकाउंटर हुआ था। यहां 26 जून को एक हमला और 12 जून को दो हमले हुए थे। सभी हमलों के बाद मुठभेड़ हुई थी।

बिहार में वीआईपी पार्टी चीफ के पिता की नृशंस हत्या, सनसनी

दरभंगा , एजेंसी।

बिहार की विकासशील इंसान पार्टी यानी वीआईपी के सुप्रीमो मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की देर रात हत्या कर दी गई है। आज सुबह 70 साल के सहनी का क्षत-विक्षत शव उनके घर से मिला है। घटना दरभंगा के घनश्यामपुर थाना के जीरत गांव की है। घटना की जानकारी मिलने के बाद मुकेश सहनी मुंबई से दरभंगा के लिए निकल गए हैं। सहनी को धारदार हथियार से हमला करके मारा गया है। उनके घर का सामान भी बिखरा पड़ा मिला है,पुलिस का मानना है कि चोरी का विरोध करने पर सहनी का मर्डर किए जाने की आशंका है। हालांकि शव के चारों तरफ खून भी बिखरा पड़ा हुआ है जो कई सवाल खड़े कर रहा है. कई अंगों को काटा गया है.हत्या की जांच के लिए एसआई टी बनाईज्ञ गई है। बताया जाता है कि जीतन सहनी गांव में बने घर में अकेले रहते थे। उनके दो बेटे मुकेश और संतोष हैं। मुकेश बिहार के पूर्व पशुपालन एवं मत्स्य संसाधन मंत्री रह चुके हैं। उनकी एक बेटी भी है, जिसकी शादी हो चुकी है और वह मुंबई में रहती है। मुकेश सहनी की पार्टी वीआईपी हाल में आरजेडी और कांग्रेस के साथ बिहार में बने महागठबंधन में शामिल हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने तेजस्वी यादव के साथ कई सभाएं की थीं।

राजा भैया के पिता को उप्र पुलिस ने हिरासत में लिया

प्रतापगढ़ एजेंसी। उप्र में बाहुबली विधायक राजा भैया के पिता उदय प्रताप सिंह को एक बार फिर हाउस अरेस्ट किया गया है। मोहर्रम के मौके पर राजा भैया के पिता के विरोध की वजह से उन्हें हाउस अरेस्ट किया जाता है। मुहर्रम के त्यौहार को सकुशल सम्पन्न करवाने के लिए स्थानीय प्रशासन ने तीन दिनों के लिए भदरी महल में उनको हाउस अरेस्ट किया है। सिंह मुहर्रम के दसवें के दिन कुंडा के प्रयागराज-लखनऊ हाइवे के शेषपुर गांव में सड़क जाम करने की कोशिश करते रहे हैं। इस वजह से प्रशासन को भारी पुलिस बल लगाकर मुहर्रम का जुलूस निकलवाना प?ता है। कानून व्यवस्था ना बिगड़े, इसके लिए एहतियात के तौर पर उदय प्रताप सिंह को नजरबंद किया गया है।

मेट्रो एंकर | स्पिनर ने किया भिड़ंत के बाद 'घटना' का खुलासा!

गौतम और विराट के बीच एक गंभीर पहल ने मिटाई दूरी!

नई दिल्ली , एजेंसी।

भारतीय टीम के स्पिनर अमित मिश्रा ने टीम के नए हेड कोच गौतम गंभीर के बार में नया खुलासा किया है और दावा किया है कि गंभीर के स्वभाव में बदलाव आ रहा है और वे नम्र हो रहे हैं। गंभीर का स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली के बीच विवाद का अंत गंभीर की इसी सूझबझ से हुआ है। दरअसल, आईपीएल 2023 सीजन के दौरान लखनऊ सुपरजाएंट्स के तत्कालीन मेंटर गौतम गंभीर और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कोहली के बीच मैच के दौरान और इसके बाद कहासुनी हुई थी और यह मामला काफी बढ़ गया था। मगर हाल के आईपीएल 2024 में चीजें बदली और दोनों को एक दूसरे के साथ अच्छे से व्यवहार करते देखे गये। जबकि बीते साल कोहली और लखनऊ के गेंदबाज नवीन-उल-हक के बीच ऑन-फील्ड लड़ाई हुई थी जिसमें गौतम गंभीर भी शामिल थे। यह घटना लखनऊ के इकाना स्टेडियम में आरसीबी और लखनऊ सुपरजाएंट्स के बीच आईपीएल मैच के दौरान हुई थी। तब गंभीर ने अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज के समर्थन में हस्तक्षेप किया और कोहली से भिड़ गए। इन तीनों पर जुर्माना भी लगाया गया था।

अब अमित मिश्रा ने एक यू-ट्यूब चैनल पर कहा है कि गंभीर ने ही कोहली के पास जाकर इस विवाद को खत्म करने के लिए कदम उठाए थे। जबकि कोहली को इस स्थिति को सुलझाने के लिए आगे आना चाहिए था। मिश्रा ने कहा, मैंने गंभीर के अंदर एक अच्छी चीज देखी। गंभीर ने खुद जाकर कोहली से पूछा था, आप और आपका परिवार कैसा है? गंभीर ने उस समय बड़ा दिल दिखाया था। मिश्रा का मानना है कि 'होना तो यह था कि कोहली को यह कहना चाहिए था कि गौती भाई इसे खत्म करते हैं।' यदि मिश्रा की बातों पर भरोसा किया जाए तो गंभीर और कोहली के बीच भले ही विवाद समाप्त हो गया है, लेकिन यह देखना दिलचस्प ही होगा कि आने वाले समय में इन दोनों का एक दूसरे के प्रति रवैया कैसा रहता है।

'कोहली समय के साथ बदल गए'

मिश्रा ने साथ ही कहा कि कोहली समय के साथ थोड़े बदल गए और शायद ऐसा पावर और शोहरत के कारण हुआ। जबकि रोहित स्टार खिलाड़ी बनने के बाद भी नहीं बदले। उन्होंने कहा, मैं लंबे समय से भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हूं। इसके बाद भी जब मैं रोहित से आईपीएल या किसी कार्यक्रम में मिलता हूं तो वह मेरे साथ मजाक करते हैं। मुझे यह सोचने की जरूरत नहीं पड़ती कि वह क्या सोचेंगे। जबकि मैंने कोहली को काफी बदलते देखा है। हमने यहां तक कि बातचीत भी बंद कर दी थी।

रूस के नए बम ने यूक्रेन में मचाई तबाही

मास्को एजेंसी। रूस के नए बम ने यूक्रेन में तबाही मचा रखी है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने एक वीडियो जारी करके अपने नए बम को पेश किया है। इस बम का इस्तेमाल रूसी वायु सेना कर रही है। इस एरियल बम का नाम है स्नक्र 3000. इसमें नया गाइडेंस सिस्टम लगाया गया है। ये पुराने बमों की तरह सीधे नहीं गिरता। बल्कि हवा में तैरते हुए टारगेट की तरफ बढ़ता है। यह बेहद सटीक और भयानक तबाही मचाने वाला बम है। इसमें नया यूनीफाइड मॉड्यूल ऑफ प्लानिंग एंड करेक्शन लगाया गया है तथा एक नेविगेशन सिस्टम वाला पंख है, जो बम को हवा में दिशा और गति प्रदान करता है।

भगवान झूलेलाल का चालीसा पाठ

भोपाल। पंचवटी कॉलोनी हनुमान मंदिर झूलेलाल मंदिर में आज से भगवान झूलेलाल का चालीसा पाठ शुरू हुआ। आरती करते हुए सिंधी समाज समूह के अध्यक्ष महेश बजाज।

कलियासोत डैम बना पिकनिक स्पॉट

भोपाल। राजधानी का बेहद खूबसूरत पर्यटन स्थल कलियासोत डैम बारिश में पिकनिक स्पॉट बन गया है। जहां लोग घूमने जा रहे है और मौसम का आनंद ले रहे है। कलियासोत डैम लोगों को अपनी प्राकृतिक सुंदरता से आकर्षित करता है।

डेढ़ दर्जन निजी क्लिनिक्स की जांच, मिला बड़ा फर्जीवाड़ा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा गठित जांच दलों ने संचालनालय के निर्देश पर भोपाल में संचालित क्लीनिक की जांच की तो कई हैरतअगेज बातें सामने आई। मसलन जांच दल को बागसेवनिया क्षेत्र में विकास क्लिनिक के नाम पर अशोक सिंह ठाकुर चिकित्सा व्यवसाय करते पाए गए ,जबकि उनके पास इलेक्ट्रो होम्योपैथी की डिग्री मिली है। इसी प्रकार गौतम नगर में हरीश जैतवाल के पास बी फार्मा की डिग्री पाई गई । नीलबड़ क्षेत्र में विकास क्लिनिक के नाम पर प्रैक्टिस कर रहे अभिषेक सिंह द्वारा निरीक्षण दल को दस्तावेज नहीं दिखाई जा सके। इस कारण आगामी आदेश तक क्लिनिक का संचालन बंद करने के निर्देश दिए गए हैं।

पहले दिन क्लीनिक्स, नर्सिंग होम्स, पैथोलॉजी लैब्स व कलेक्शन सेंटर्स की जांच व सत्यापन हेतु 8 दलों द्वारा भोपाल के विभिन्न इलाकों में संचालित 17 क्लीनिक्स में चिकित्सा व्यवसाय कर रहे व्यक्तियों की सघन जांच की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ प्रभाकर तिवारी ने कहा है कि निजी चिकित्सा व्यवसायि शासन द्वारा निर्धारित सभी अनुमतियां प्राप्त करने के बाद ही चिकित्सा व्यवसाय करें । ऐसा नहीं करने पर संबंधितों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जावेगी । ये कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। कार्यवाही में जिला प्रशासन, नगर निगम, पुलिस ,खाद्य एवं औषधि प्रशासन का सहयोग भी लिया जा रहा है।

इन बिंदुओं पर हो रही पड़ताल :

रीक्षण दल द्वारा चिकित्सा व्यवसाय कर रहे व्यक्तियों की डिग्री, चिकित्सा पद्धति, काउंसिल का पंजीयन , म प्र उपचार्यगृह एवं रूज़ोपचार संबंधी स्थापना अधिनियम, जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन अधिनियम , गुमास्ता लाइसेंस की जांच की गई। जांच के दौरान अवैध रूप से चिकित्सा व्यवसाय में संलग्न व्यक्तियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई हेतु पुलिस, नगर निगम, औषधि प्रशासन, प्रदूषण नियंत्रण मंडल को सूचना दी जा रही है ,ताकि उनके विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई की जा सके।

पूर्व छात्र की पहले पर 4 इलेक्ट्रिक बसें आईं

मैनिट अब टू-व्हीलर फ्री जोन बनेगा कैंपस के भीतर चलेंगी ई-बसें

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी यानि मैनिट में अब छात्र कैंपस के भीतर टू-व्हीलर का उपयोग नहीं कर सकेंगे। मैनिट को ग्रीन कैंपस बनाने की योजना के चलते यह कदम उठाया जा रहा है। यहां अब इलेक्ट्रिक बसें चलेंगी। अगले कुछ दिनों में पूर्व छात्रों को भी बुलाकर बसों को हरी झंडी दिखाकर शुरू किया जाएगा। इसी से कैंपस के भीतर छात्रों को आवाजाही होगी। अब तक मैनिट में 4 इलेक्ट्रिक बसें आ चुकी हैं और प्रत्येक की कीमत 6 करोड़ रुपए है। खास बात यह है कि यह बसें मैनिट के पूर्व छात्र विवेक देवांगन ने दी हैं। वे आईएएस हैं तथा अभी आरईसी लिमिटेड के सीएमडी हैं। कई पूर्व छात्र भी जो अब बड़े ओहदों पर हैं, वे संस्थान को सहयोग करते रहते हैं।

मैनिट में अभी विभिन्न कोर्स में पांच हजार विद्यार्थी हैं। इनके पास करीब ढाई हजार वाहन हैं, जिन्हें अब कैंपस में नहीं लाया जा सकेगा। इससे प्रदूषण भी रुकेगा। मैनिट अधिकारियों के मुताबिक बस की क्षमता 50 सवारी की है। ये बसें हॉस्टल से उनके डिपार्टमेंट तक चलेंगी। इसके अलावा अगर छात्रों को कैंपस से बाहर किसी काम से जाना है तो यह उन्हें मेन गेट तक छोड़ेंगी।

उल्लेखनीय है कि यह संस्थान करीब 600 एकड़ में फैला है। ऐसे में छात्र बाइक से दिनभर यहां से वहां आते-जाते थे। कई बार तेज रफ्तार वाहन चलाने की शिकायतें भी मिली हैं। अब यह छात्रों के लिए टू-व्हीलर फ्री जोन बन गया है।

अधिकारियों को उम्मीद है कि नई बसों का फायदा यह भी होगा कि छात्र हॉस्टल से देर रात यहां-वहां नहीं भटकेंगे। कार्यालयीन समय में ही बसों का संचालन होगा। इससे छात्र समय से डिपार्टमेंट पहुंच सकेंगे।

बसें देने वाले पूर्व छात्र विवेक कुमार देवांगन मणिपुर कैडर के वर्ष 1993 बैचके भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी हैं। उन्होंने वर्ष 89 में भोपाल से इलेक्ट्रॉनिक्स में बी.ई. और आईआईटी, दिल्ली से ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स एंड ऑप्टिकल कम्युनिकेशन में पी.जी. किया है। आरईसी में नियुक्ति से पहले, वे भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय में अपर सचिव के पद पर कार्यरत थे।

चुनाव में जी-जान से काम करने वाले कार्यकर्ता देवतुल्य : आलोक

भाजपा मंडल गुरुनानक मंडल की कार्यसमिति

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

भाजपा गुरुनानक मंडल कार्यसमिति की बैठक संपन्न हुई, जिसमें सांसद आलोक शर्मा कार्यकर्ताओं को अपना मार्गदर्शन किया। लोकसभा चुनाव में प्रचंड जीत के लिए मंडल के सभी बूथ अध्यक्षों का सम्मान प्रशस्ति पत्र, शाल एवं छाता देकर आभार जताया गया।

शर्मा ने कहा के चुनाव में दिन रात एक कर के भाजपा संगठन के लिए काम करने वाले प्रत्येक देवतुल्य कार्यकर्ता के आभारी है, एवं आगामी पांच वर्षों में सेवा के लिए प्रतिबद्ध है। बूथों पर चुनावी रण में सेनापति की भूमिका निभाने वाले बूथ अध्यक्षों को भी शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने बताया बाकी पार्टी जैसे भाजपा किसी व्यक्ति विशेष पर नहीं चलती है, भाजपा है जो विचारधारा की पार्टी है।

मंडल अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने बताया कि मंडल कार्यसमिति बैठक भाजपा की निरंतर

गतिविधि है जिसमें आगामी कार्ययोजनाओं एवं संगठन को सशक्त करने हेतु महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाती है। बैठक में मंडल अध्यक्ष राकेश कुकरेजा, पूर्व पार्षद महेश मकवाना, पार्षद देवेंद्र भार्गव, पार्षद सरोज आसेरी सहित मंडल पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्री नारायण गुरूदेव भक्तजन समाज का गठन हुआ

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

जगद्गुरू श्री नारायण गुरूदेव भक्तजन समाज सीटीओ, संतनगर की वार्षिक साधारण सभा की बैठक हुई, जिसमें कार्यकारिणी का गठन किया गया। के. टी. कन्नन चेयरपेरसन/मार्ग निर्देशक, पी. अरविन्दाक्ष अध्यक्ष, आर. के धनक उपाध्यक्ष, टी.वी. सुब्रम्हणियन जनरल सेकेट्री, योगेश कुमार सेकेट्री, हर्षा कुमार प्रार्थना सेकेट्री और राधा प्रसाद कोषाध्यक्ष बनाए गए।

प्रापर्टी के मालिकाना हक को लेकर सीएम से समय मांगेगी पंचायत

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सिंधी (सेन्ट्रल) पंचायत ने सिंधी हिन्दु परिवारों को उनकी प्रापर्टी का मालिकाना हक सात दशक बाद भी न मिलने पर नाराजगी जताई है। साथ ही वन ट्री हिल्स के 500 भूखण्डों के लीज नवीनीकरण का मामला भी दूसरी बार प्रीमियम राशि जमा करने के बावजूद अटकाने के समले को मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के सामने उठाने का फैसला लिया है।

पंचायत अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश ईसरानी की अध्यक्षता में पंचायत कार्यालय में बैठक हुई, विकास कार्यों के लिए सांसद आलोक शर्मा विधायक रामेश्वर का अभिनंदन करने, ठेलों की समस्या, पंचायत के पुर्नगठन, नए सदस्यों को जो?ने पर चर्चा हुई। महापौर कार्यकाल के दौरान संत हिरदाराम नगर में करोड़ों के विकास कार्य कराने वाले एवं लोकसभा चुनाव जीतकर सांसद बने आलोक शर्मा का बतौर महापौर विकास करने और विधायक रामेश्वर शर्मा का पंचायत द्वारा अभिनंदन करने का फैसला लिया गया। बैठक में संरक्षक ईश्वरदास हिमथानी ने सुझाव दिया कि मोबाइल पर बात करते समय हेलो की जगह झूलेलाल की जय, बोलने का संकल्प लिया गया।

बैठक में उपाध्यक्ष नरेन्द्र लालवानी ने जगह-जगह हाथ ठेलों की समस्या का मुद्दा उठाया। बैठक में तय किया गया कि इसके लिए जल्द ही प्रतिनिधि मण्डल महापौर मालती राय, विधायक रामेश्वर शर्मा एवं नगर निगम कमिश्नर से मुलाकात करेगा। इसके अलावा व्यापारियों की एक सयुंक्त बैठक भी बुलाई जाएगी, आवश्यता हुई तो संत हिरदाराम नगर बंद का आव्हान भी किया जाएगा। बैठक में अध्यक्ष इसरानी ने पंचायत द्वारा संतनगर के विकास, समस्याओं के निराकरण के लिए एसडीएम से लेकर कलेक्टर एवं विधायक से लेकर सांसद तक से लगाई गई गुहार एवं जो विकास हुआ है उस पर विस्तार से प्रकाश डाला।

मेट्रो एंकर | हजारों श्रद्धालुओं ने खींचा रथ, हरे कृष्णा हरे राम की गूंज

संतनगर में पहली बार निकली भव्य जगन्नाथ यात्रा

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संतनगर में पहली बार भव्य शोभा यात्रा निकली, जिसका जगह-जगह संतनगर वासियों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। इस्कान संस्था ने रथ्ज्ञ यात्रा का आयोजन किया था। रसानंद दास के सानिध्य में इस्कान से जुड़े साधु संतो की टोली हरे कृष्णा हरे राम पर थिरकते हुए चल रहे थे।

रथ की एक ओर रस्सी पुरूष और दूसरी ओर की रस्सी महिला श्रद्धालु खींच रहे थे। भगवान जगन्नाथ भव्य रथ पर सवार थे। रथ को मंदिर के स्वरूप का आकार दिया था। ऊपर मंदिरों की तरह कलश स्थापित किये गये थे। रथ के एक हिस्से में इस्कान संस्थापक शील प्रभुपाद की प्रतिमा थी।

थिरकते रहे श्रद्धालु

श्रीजगन्नाथ रथ यात्रा कालिका कृष्ण मंदिर परिसर से निकली। इससे पहले महा आरती का आयोजन किया गया। हरे राम हरे कृष्णा एवं अलावा जय जगन्नाथ की धुन पर न केवल बड़ी संख्या में पुरूष लम्बे समय तक रास्तेभर थिरकते रहे बल्कि महिलाओं ने भी धार्मिक गीतों पर उत्सव मनाया।

यह रहे मौजूद

जिसमें सभी साधु संतों के अलावा एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी, पार्षद अशोक मारण, भाजपा जिला उपाध्यक्ष राम बंसल, सिंधी एकता मंच हीरो हिन्दु ईसरानी, पूज्य सिंधी पंचायत के महासचिव माधु चांदवानी व संतनगर के गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

पर्यटन बोर्ड की बैठक में सीएम के निर्देश

भोपाल में राजा भोज की कलाओं और साहित्य पर आधारित रिसर्च सेंटर बनेगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश के पारम्परिक भव्य मेलों और यात्राओं जैसे भगोरिया उत्सव एवं महाकाल की सवारी आदि का प्रभावी माध्यम से प्रचार किया जाना चाहिये। आधुनिक प्रचार - प्रसार के साथ पारम्परिक वाद्य यंत्रों को बजाने वाले स्थानीय कलाकारों और पारम्परिक नृत्य दलों को जोड़कर उन्हें प्रोत्साहित भी करें। इससे स्थानीय कला और पारम्परिक नृत्यों का भी प्रचार-प्रसार होगा।

पर्यटन विकास बोर्ड के संचालक मंडल की बैठक में यादव ने पर्यटन बोर्ड की संरचना, दायित्वों, निवेश संवर्धन की नीतियों, प्रचार-प्रसार और पर्यटन विकास कार्यों की समीक्षा की तथा कहा कि भोपाल में राजा भोज की कलाओं और साहित्य पर आधारित रिसर्च सेंटर या म्यूजियम बनाने की योजना पर कार्य करें। युवाओं को आकर्षित करने वाली साहसिक गतिविधियों को बढ़ावा दें। प्रदेश में फिल्मांकन के लिए आने वाले प्रोडक्शन हाउस और कलाकारों से समन्वय कर प्रदेश की अच्छी योजनाओं और उपलब्धियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करें।

पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा के संचालन की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि जिन मार्गो पर यात्रियों की बुकिंग अधिक आ रही है, वहां उड़ानों की संख्या बढ़ायें। अधिक बैठक क्षमता वाले एयरक्राफ्ट संचालित करें। धार्मिक तीर्थ दर्शन योजना में वायु सेवा के मार्ग को शामिल करें। साथ ही शासन के क्लास-2 और 3 कार्यपालिक अधिकारियों को भी पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा द्वारा आवागमन के लिए पात्रता पर विचार कर प्रस्ताव बनायें। इसके अलावा विश्वविद्यालय से जुड़कर पर्यटन क्षेत्र में रोजगारमूलक स्किल डेवलपमेन्ट कोर्स संचालित करने की योजना पर कार्य करें। इससे प्रदेश के अधिकाधिक युवा पर्यटन से जुड़ेंगे और उन्हें रोजगार भी मिलेगा। प्रमुख सचिव शिवशेखर शुक्ला ने पर्यटन बोर्ड की वर्तमान गतिविधियों, उपलब्धियों और आगामी कार्ययोजना का प्रस्तुतीकरण दिया। बैठक में पर्यटन राज्य मंत्री और उपाध्यक्ष टूरिज्म डेवलपमेन्ट बोर्ड धर्मेंद्र सिंह लोधी वीसी के माध्यम से जुड़े।

बीच में कोई नहीं, सरकार व उद्योगपतियों के बीच चर्चा हो रही

जो उद्योग नहीं लगा रहे, उनसे जमीन वापस लेंगे- मुख्यमंत्री

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मोहन सरकार को प्रदेश में 2 लाख करोड़ से अधिक के निवेश बंध गई है। अब जबलपुर में 20 जुलाई को होने वाली रीजनल इंडस्ट्री कान्क्लेव से और 1200 करोड़ का निवेश आने की संभावना है। यदि ये उम्मीदें पूरी होती है तो तय है कि मप्र के विकास का पहिया तेजी से आगे बढ़ेगा और यदि ये प्रयास खाली निकले तो बुरी स्थिति होगी। विशेषज्ञों के की माने तो जिस तरह सरकार उम्मीदों के सहारे आगे बढ़ रही है ठीक उसी तरह उम्मीद पूरी नहीं होने की स्थिति को लेकर भी प्लान तैयार करना चाहिए, ताकि खुद के स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाया जा सके।

सरकार को 2 लाख करोड़ के निवेश की उम्मीद बंधी, जबलपुर से और अपेक्षा, निवेशकों को रिझाने में जुटी मोहन सरकार

मप्र में औद्योगिक निवेश को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को मीडिया के सामने आए थे उन्होंने निवेश पर किए जा रहे कामों को लेकर आगे का रोडमैप साझा किया। बताया कि जबलपुर रीजनल इंडस्ट्री कान्क्लेव में 1500 निवेशकों के शामिल होने से 1222 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिलने की संभावना है। तब मप्र में करीब 3500 रोजगार के अवसर खुलेंगे। अमेरिका, इजराइल, ताइवान और मलेशिया जैसे देशों से निवेशकों ने शामिल होने की सहमति दी है, यदि ये आए तो निवेश और बढ़ सकता है। मुख्यमंत्री ने मुंबई में उद्योगपतियों से किए संवाद का जिक्र करते हुए कहा कि वहां 450 उद्योगपतियों से चर्चा सफल रही। करीब 75 हजार करोड़ के निवेश के प्रस्ताव मिले।

मुख्यमंत्री से सवाल किया गया कि उद्योगपतियों के लिए सिंगल विंडों की बात कही जाती है लेकिन जब वे प्रदेश में आते हैं तो उन्हें परेशान होना पड़ता है। कई तरह की अनुमतियां नहीं मिलती, तब वे निराश होते हैं। जिस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार की सरकार में ऐसा नहीं होगा। सीधे सरकार और उद्योगपतियों के बीच बात होगी, इसकी शुरुआत हो चुकी है।

तो जमीन वापस लेंगे

जमीन लेने और उस पर उद्योग नहीं लगाने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कोई जमीन लेकर भी उद्योग नहीं लगाते हैं तो यह उनकी कमी है, इसमें सरकार का कोई रोल नहीं है। हम केवल उद्योग लगाने में आने वाली कठिनाईयों को दूर कर सकते हैं। तब भी किसी ने उद्योग नहीं लगाया तो मप्र की जमीन मप्र के पास ही रहेगी और हम उसे वापस ले लें।

आगे क्या

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि जबलपुर के बाद अगली रीजनल इंडस्ट्री कान्क्लेव सितंबर में ग्वालियर व अक्टूबर में रीवा में करने जा रहे हैं। जिस तरह मुंबई में संवाद किया, वह क्रम दूसरे शहरों में जारी रहेगा। जब जहां जरुरत होगी, वहां जाएंगे और निवेशकों से बात करेंगे। 25 जुलाई को कोयम्बटूर जाएंगे। बेंगलुरू अगस्त में और दिल्ली सितंबर में जाएंगे। जबकि इंदौर में टेक्सटाइल्स कान्क्लेव सितंबर में करेंगे।

नर्सिंग घोटाले पर एनएसयूआई का जोरदार प्रदर्शन, काबू करने चली वाटर कैनन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र में नर्सिंग घोटाला, नीट परीक्षा में गडबड़ी के मुद्दों पर राजधानी भोपाल में कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। एनएसयूआई के कार्यकर्ता पहले तो पीसीसी के सामने एकत्रित हुए फिर यहां से नारेबाजी करते हुए सीएम हाउस का घेराव करने के लिए चल पड़े। कुछ कार्यकर्ताओं ने दौड़ लगा दी पर पुलिस सतर्क थी। पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया और आंसू गैस के गोले छोड़ प्रदर्शनकारियों को खदेड़ दिया। कार्यकर्ता दोबारा एकत्रित हो गए और रोड पर ही धरना दे दिया। इसके बाद पुलिस

ने छात्र नेताओं को पकड़ना शुरु कर दिया। प्रदेश अधयक्ष आशुतोष चौकसे घायल हो गये तो उन्हें रेडक्रास अस्पताल भर्ती कराया गया। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी उनके हालचाल जानने

अस्पतालपहुंचे । कई छात्र नेताओं को गिरफ्तार भी किया। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी भी प्रदर्शन में शामिल हुए। छात्र नेता रवि परमार के अनुसार नर्सिंग घोटाले को लेकर एनएसयूआई प्रदेशभर में प्रदर्शन कर रही है।

कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर नेता प्रतिपक्ष का पुलिस प्रशासन पर स्वयं को निशाना बनाने का आरोप

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल में एक दिन पहले नर्सिंग घोटाले समेत अन्य मामलों को लेकर भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के प्रदर्शन और उसमें पुलिस बलप्रयोग को लेकर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने पुलिस-प्रशासन और भारतीय जनता पार्टी सरकार पर स्वयं को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। सिंघार ने आज अपनी एक्स पोस्ट में कहा, 'भोपाल में एनएसयूआई के आंदोलन पर पुलिस की बर्बरता कांग्रेस के नेताओं को टारगेट बनाकर की गई ! पुलिस के निशाने पर मैं भी था, मुझ पर वॉटर कैनन से हमला किया गया और आंसू गैस का गोला फैंका गया ! निश्चित रूप से यह सब भाजपा सरकार के इशारे पर ही हुआ !' उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता, कार्यकर्ता और परीक्षाओं के फर्जीवाड़े से प्रभावित होने वाले स्टूडेंट्स डरने वाले नहीं है। प्रदर्शन के दौरान जो कुछ हुआ, वो भाजपा नेताओं की खुन्नस और खीज का नतीजा है। कल राजधानी भोपाल में आयोजित इस प्रदर्शन में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष सिंघार समेत सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान मु यमंत्री निवास की ओर बढ़ रहे कार्यकर्ताओं को पुलिस बल ने पहले ही रोक दिया और इसके लिए वॉटरकैनन का भी उपयोग किया गया। कांग्रेस का आरोप है कि इसी दौरान पटवारी घायल भी हो गए। हालांकि अपने बयान में कहा कि घायल होंगे, लाठी डंडे खाना पड़ेंगे, जेल जाना पड़ेगा, लोगों की लड़ाई लड़ना पड़ेगी, कांग्रेस पार्टी को यही जि मेदारी मिली है।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग की हुई समीक्षा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने भारत में संभावित ओलम्पिक और यूथ ओलम्पिक गेम्स में मध्यप्रदेश की सहभागिता की संभावनाओं को तलाशने के लिये खेल विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये हैं। उन्होंने भविष्य में देश में संभावित ओलंपिक खेलों में मप्र की अधिकतम सहभागिता के लिये खेल और खिलाड़ियों की सुविधाओं के विस्तार के लिये अधोसंरचनात्मक विकास के कार्य करने के निर्देश दिये हैं।

वेतन विसंगति समाप्त होने की उम्मीद एक झटके में टूटी

अजब.. रिपोर्ट पेश होने के बाद बढ़ाया कर्मचारी आयोग का कार्यकाल, फिर साल भर इंतजार!

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र सरकार के करीब छह लाख कर्मचारियों को अपनी वेतन विसंगतियों को दूर होने का जो भरोसा हाल में नजर आया था वह फिर धूमिल हो गया है। सरकार ने इसके लिये गठित कर्मचारी आयोग का कार्यकाल एक साल बढ़ा दिया है। यह भी पहला मौका है जब बड़े कर्मचारी वर्ग को प्रभावित करने के लिए गठित आयोग ने अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपी हो और उसका कार्यकाल खत्म होने के छह महीने बाद कार्यकाल बढ़ाया गया हो। इस सिंघल आयोग का कार्यकाल अब 11 दिसंबर 2023 से 12 दिसंबर 2024 तक होगा। कर्मचारी संगठनों का आरोप है कि सरकार ने मनचाही रिपोर्ट हासिल करने के लिए आयोग का कार्यकाल ब?ाया है। इससे पहले वित्त मंत्री कह चुके थे कि आयोग की रिपोर्ट का परीक्षण कर लागू करवाया जाएगा। सूत्रों के अनुसार रिपोर्ट में प्रत्येक संवर्ग के अधिकतम वेतनमान के बराबर वेतन करने की सिफारिश की गई थी। इससे कर्मचारियों को 12 हजार से 60 हजार तक फायदा होने की उम्मीद थी। ताजाा फैसले के बाद अफसर पिछली रिपोर्ट पर कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। और तर्क दे रहे हैं कि आयोग की अब जो भी सिफारिशें आएंगी उनका परीक्षण किया जाएगा। जबकि मंत्रालय सेवा अधिकारी कर्मचारी संघ अध्यक्ष इंजीनियर सुधीर नायक का कहना है कि पिछली रिपोर्ट में जो विसंगतियां छूटी हैं, उन सबको भी शामिल कर विचार होना चाहिए। लिपिकों की वेतन विसंगति सबसे पुरानी है।

संशोधित रिपोर्ट जारी होगी !

राज्य के कर्मचारियों की वेतन विसंगति को दूर करने के लिए जीपी सिंघल की अध्यक्षता वाले आयोग की रिर्पोट को कर्मचारी सार्वजनिक करने की मांग तो कर ही रहे हैं साथ ही यह भी कहते रहे हैं कि इसमें कर्मचारियों की राय शामिल नहीं की गई। अब माना जा रहा है कि आयोग छह महीने में दोबारा संशोधित रिपोर्ट जारी करेगा। उसी के अनुसार वेतन निर्धारण होगा। यानि इस पूरे काम में अभी साल भर लगना तय है।

मेट्रो एंकर | मैदानी अफसरों को निर्देश 18 जुलाई से शुरूआत

राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए प्रदेश में चलेगा 45 दिन का विशेष अभियान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजस्व महा अभियान प्रथम चरण की सफलता को देखते हुए राज्य शासन द्वारा राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण और राजस्व अभिलेख त्रुटियों को ठीक करने के लिए राजस्व महाअभियान-2, 18 जुलाई से 31 अगस्त तक चलेगा। अभियान के दौरान सभी संभाग आयुक्त और कलेक्टर अपने क्षेत्रों का निरंतर निरीक्षण करेंगे। उत्कृष्ट कार्य करने वाले राजस्व अधिकारियों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य राजस्व न्यायालय में समय सीमा पर लंबित प्रकरणों का निराकरण, नए राजस्व प्रकरणों को आरसीएमएस पर दर्ज कराना, नक्शे पर तरमीम, पीएम किसान योजना सभी पात्र किसानों को लाभ देना, समग्र का आधार ई-केवाईसी और खसरे की समग्र/ आधार से लिंकिंग एवं फार्मर रजिस्ट्री का क्रियान्वन है। डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण एक अगस्त से 15 सितम्बर तक होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर राजस्व महाअभियान के संचालन संबंधित जानकारी ली। बैठक में राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा, मुख्य सचिव वीरा राणा, अपर

मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय संजय कुमार शुक्ला सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। सभी संभागायुक्त एवं जिला कलेक्टर्स बैठक में वर्चुअली शामिल हुए।

पटवारी ई-डायरी बनायें: मुख्यमंत्री ने कहा कि पटवारी डायरी डिजिटल की जाए। मेन्युअल डायरी प्रथा समाप्त की जाए। पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ के लंबित प्रकरणों में ई-केवाईसी करें। अच्छा वातावरण निर्मित करें। गौ-शालाओं की क्षमता अनुसार गौ-वंश रखें, वे सड़कों पर न दिखें। राज्य सरकार द्वारा गौ-शालाओं को दिया जाने वाले अनुदान को दोगुना कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अवैध रेत उत्खनन पर कार्यवाही हो।

पटवारी रहें मुख्यालय पर: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पटवारी मुख्यालय पर रहें, दक्षता के साथ कलेक्टर कार्यवाही करें। अभियान की हर दिन समीक्षा की जाए, साफ-सुथरा कार्य हो, अच्छा कार्य करने वालों को पुरस्कृत किया जाएगा। गलती होने पर माफ नहीं किया जाएगा। कमिश्नर अपना 45 दिन का दौरा कार्यक्रम बनाएं, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाशत नहीं की जाएगी। अभियान में नक्शा दुरुस्तीकरण का कार्य अच्छा हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रमुख सचिव को लगातार मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। स्वामित्व योजना का लाभ दिए जाना सुनिश्चित किया जाए, परंतु इस बात का ध्यान रखा जाए कि इसका दुरुपयोग न हो। नदियों में रेत का अवैध उत्खनन सख्ती से रोका जाए।

संपादकीय

लोकतंत्र में बुलेट पर भारी बैलेट

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप पर जानलेवा हमला पूरी विश्व बिरादरी में न सिर्फ चर्चा का विषय है बल्कि चिंता की वजह भी है। सियासत में तल्खियां और मतभेद की जगह तो खूब है लेकिन हिंसा की नहीं है। इसलिए जब चुनावी रैली के दौरान ट्रंप पर हमला हुआ तो हर कोई अवाक रह गया। हालांकि हमले में ट्रंप को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ और वह सुरक्षित हैं। मगर उन्होंने हमलेके बाद भी घबराने की बजाए जीवट का परिचय दिया और चेहरे पर बहते खून के बावजूद दोनों मुट्ठियां हवा में लहराकर अपने इरादे बताए। बहरहाल, इस हमले से अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव की धारा बदल सकती है क्योंकि इस हमले ने पहले से ही दो ध्रुवों में बंटे अमेरिकी जनमत को बुरी तरह झकझोर भी दिया है। यूं तो अमेरिका में राष्ट्रपतियों पर इस तरह का हमला कोई नई बात नहीं है। वहां ऐसे हमलों का लंबा इतिहास है। चार राष्ट्रपति और एक राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी ऐसे हमलों में जान तक गंवा चुके हैं। इनमें रोनाल्ड रीगन, बिल क्लिंटन और जॉर्ज डब्ल्यू बुश जैसे चर्चित राष्ट्रपति हमलों का निशाना बन चुके हैं।भारत में भी ऐसी घटनाओं का इतिहास है। फिर भी ट्रंप पर हुए इस हमले की अतीत की घटनाओं से तुलना नहीं की जा सकती। ट्रंप न सिर्फ अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति हैं बल्कि आगामी चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी की ओर से इस पद के प्रत्याशी भी हैं। अब तक के तमाम सर्वे उन्हें लोकप्रियता में सबसे आगे बता रहे हैं। यही नहीं, ट्रंप राजनीति और शासन की अपनी विशिष्ट शैली के लिए जाने जाते रहे हैं। अमेरिकी इतिहास में यह पहला मौका है जब कोई पूर्व राष्ट्रपति चुनाव परिणामों को पलटने के लिए दंगे भड़काने जैसे आरोपों का सामना कर रहा है या चुनाव नतीजों को स्वीकार करने से लगातार इनकार करता रहा है। इसके बावजूद लोकप्रियता में सबसे आगे नजर आ रहा है। ऐसे में ट्रंप पर हमले की इस घटना की गंभीरता बढ़ जाती है। इसका अमेरिका के आम लोगों की सोच पर, वहां की राजनीति और चुनावों पर किस तरह का प्रभाव पड़ता है, यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा। हालांकि ट्रंप समर्थकों का एक धड़ा इसके लिए उनके राजनीतिक विरोधियों की आक्रामक प्रचार शैली को अभी से जिम्मेदार ठहराने लगा है। देखना होगा कि यह सिलसिला चुनावों में वोटरों की सहानुभूति हासिल करने की कोशिशों तक सीमित रहता है या राजनीति में और ज्यादा कड़वाहट घोलता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि चाहे अमेरिका के घरेलू राजनीतिक माहौल की बात हो या चुनाव परिणामों की, उनका असर अमेरिका तक सीमित नहीं रहता। पूरा विश्व उसके दायरे में आता है। ऐसे में जरूरी है कि जांच जेंसियां इस घटना के असली कारणों तक जल्द से जल्द पहुंचें। हालांकि हमलावर के मारे जाने की वजह से यह काम थोड़ा और मुश्किल हो गया है। फिर भी उम्मीद है कि जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी और साजिशों के तार खुलेंगे, तथा बहसें भी समाज को हिंसक बनाने वाले और गन कल्चर को बढ़ाने वाले कारकों पर केंद्रित होगी। अमेरिका को पुराने लोकतंत्र में शुमार किया जाता है, वहां मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडेन अलोकप्रियता के घेरे में आ चुके हैं, तीन महीने बाद जब वोट पड़ेंगे तो ट्रंप के साथ तीन दिन पहले हुई घटना की छाया भी मतदान पर रह सकती है। भारत और रूस जैसे बड़े देशों पर भी अमेरिका के चुनाव का परोक्ष या अपरोक्ष रूप से असर पड़ता है, इसलिए जब ट्रंप पर हमले के बाद अमेरिका का चुनाव भारत के लिये भी बहुत दिलचस्प हो गया है।

मोदी के लिए पुनर्जीवित विपक्ष के साथ 5 साल का टेस्ट मैच

शेखर गुप्ता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तीसरा कार्यकाल बाकायदा शुरू हो गया है और दूसरों से ज्यादा खुद मोदी अच्छी तरह जानते हैं कि उनका तीसरा कार्यकाल पहले दो कार्यकालों से अलग है, अपनी किस्म का बिलकुल अकेला।उनकी जिस तरह की राजनीतिक ट्रेनिंग है और जो अनुभव हैं उन सबने उन्हें इस तरह की व्यवस्था चलाने के लिए तैयार नहीं किया है. मसला यह नहीं है कि उन्हें स्पष्ट बहुमत नहीं मिला. 240 का उनका आंकड़ा ऐसा है कि उनके गठबंधन का कोई सहयोगी उनकी सरकार को नहीं गिरा सकता. यही वजह है कि उन्होंने शुरुआत इस तरह की है मानो यह एक सामान्य कार्यकाल है. यह दिखावा उनके लिए बहुत महत्व रखता है।मोदी-3.0 के लिए बदलाव आंकड़ों की वजह से नहीं बल्कि संघर्ष के नए वातावरण से आया है, जिसका पूर्वानुमान मैंने चुनाव नतीजे वाले दिन लिखे अपने लेख में लगाया था. इस बात को अच्छी तरह समझने की कोशिश में हम अलग-अलग खेलों से ली गई उपमाओं का उपयोग करेंगे. खिलाड़ियों के बीच सीधी टक्कर वाले खेलों को पहले लें, क्योंकि राजनीति भी कुछ ऐसी ही होती है।भाजपा और उसके साथियों ने किसी मुक्केबाजी वाले मुकाबले की तरह प्वाइंट के आधार पर जीत हासिल की है. जीत बहुत कम प्वाइंट से नहीं मिली, लेकिन यह पिछले दो मुकाबलों की तरह फटाफट 'नॉकआउट' वाला मामला नहीं था. प्रतिद्वंद्वियों ने भी कुछ घूंसे लगाए और वह भी रिंग में अपने पैरों पर ख? होकर मुकाबला कर रहे हैं। उनमें यह विश्वास भी पैदा हो गया है कि 'चैंपियन' को चित किया जा सकता है. अब जो बदलाव आया है वो यही है. आप देख सकते हैं कि राहुल गांधी और 'इंडिया' खेमे के दूसरे नेता किस तरह राजनीति की सड़क पर उतरे हुए हैं. 2014 और 2019 में वे अपने जख्म सहलाते लापता हो गए थे या किसी गहरे आध्यात्मिक चिंतन में डूबे गए थे. अब हम अधिक लोकप्रिय खेल क्रिकेट से उपमा लेंगे। 2024 के फैसले को हम वह मैच मानें जिसमें विपक्ष किसी टेस्ट मैच के फाइनल में पुराने खिताबधारी को चुनौती देने के लिए क्वालिफाई कर गया हो।टेस्ट मैच सेशन (सत्र) के हिसाब से खेला जाता है. तो पहले सेशन में इस साल के अंत में होने वाले तीन विधानसभा (महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड) चुनाव होंगे. इनमें से हर एक राज्य में प्रतिद्वंद्वी उभार पर हैं. यहां हम जम्मू-कश्मीर को गिनती में नहीं शामिल कर रहे हैं. इसके मामले में चुनौतियां बहुत बड़ी और अलग किस्म की हैं।

यह सेशन खत्म होते ही दूसरा शुरू हो जाएगा, दिल्ली विधानसभा के चुनाव अगले साल की शुरुआत में ही होने हैं. अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी ने मुकाबले को तीखा बना दिया है. इस टेस्ट मैच के 'पहले दिन' का अंतिम सेशन खेले जाने से पहले थोड़ा समय सांस लेने के लिए मिलेगा, यह सेशन बिहार विधानसभा के चुनाव का होगा, जो अगले साल सितंबर में खेला जाएगा. इन तीन सेशनों में से दो में जो भी जीत हासिल करेगा वह 2029 वाले मुकाबले के लिए ब ड़त हासिल कर लेगा। मोदी ने यह कार्यकाल कई नई चुनौतियों के साथ शुरू किया है, जो चुनाव अभियान के दौरान ही उभरने लगी थीं. उनकी पार्टी को अब कई समझौते करने की ज़रूरत पड़ेगी, जिनमें एक समझौता कानून बनाने के अपने नज़रिए में करना होगा. धमक और रौब के बूते अहम कानूनों को पास कराने का दौर अब बीत चुका है. ज़रूरी और जायज़ संवैधानिक संशोधनों को भी इंतज़ार करना पड़ सकता है।'400 पार'' के नारे ने संविधान को लेकर जिस व्यापक आशंका को जन्म दिया उसके कारण सरकार को अब कोई संविधान संशोधन प्रस्तुत करने से पहले सौ बार सोचना पड़ेगा. बेशक एक उपाय विपक्ष से पहले सलाह करके उसकी सहमति लेना हो सकता है, लेकिन इसके लिए मोदी युग की भाजपाई सियासत के बुनियादी ढांचे में बदलाव करने की ज़रूरत पड़ेगी। इस संसद का जो पहला सत्र हुआ उससे फिलहाल किसी राहत की उम्मीद नहीं बंधती. अगर कोई संकेत मिलता भी है तो यही कि दोनों पक्ष किसी

बेहद तीखी लड़ाई में उलझे हैं जिसमें दोनों खेमे कोई लचीला रुख अपनाने को राज़ी न हों, सुलह की कोई परोक्ष पहल न करते हों और उनमें आपसी विश्वास शून्य पर पहुंच चुका हो.नई सरकार के सामने जो राजनीतिक चुनौतियां हैं उनमें सबसे मजबूत चुनौती को हम 'जय जवान/जय किसान' वाले फंदे का नाम दे सकते हैं. दो दशकों से मोदी ने अपनी छवि किसानों और सेनाओं के पैरोकार की बना रखी है, लेकिन इस बार के चुनाव ने इस छवि की कलई खोल दी, उनकी पार्टी को उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, हरियाणा, राजस्थान और पंजाब तक जैसे उन राज्यों में भारी नुकसान उठाना प ड़ा जो राज्य कृषि प्रधान माने जाते हैं और जो सेना को सबसे ज्यादा सैनिक देते हैं। शुरू में वादा किया गया था कि 2022 तक किसानों की आमदनी दोगुनी कर देंगे. यह वादा धरा का धरा रह गया. कृषि सुधारों से संबंधित विमर्श को नए कृषि कानूनों (चाहे वे कितने भी अच्छे रहे हों) को अध्यादेश के रास्ते लाकर और संसद से जबरन पास करवाकर बर्बाद किया गया. अब क्या मोदी उन पर पुनर्विचार कर सकते हैं और उन पर विपक्ष से संवाद कर सकते हैं ड़ अगर वे ऐसा करते हैं तब उनका जनाधार क्या सोचेगा ड़ ताकतवर हुआ विपक्ष इस पर रचनात्मक रुख अपनाएगा, इसकी संभावना नगण्य ही है। तब तो इसलिए भी कि मैच में हर 'ब्रेक' के बाद एक नया 'सेशन' होने वाला हो. दूसरी ओर, सरकार अगर किसानों के मामले में ज्यादा लुभावनी घोषणाएं (ज्यादा फसलों पर ऊंची एमएसपी, कर्ज़ माफी आदि) करती है और इसी के साथ अपने 'स्वदेशीवादियों' के दबाव में बायोटेक्नोलॉजी, खासकर 'जीएम' बीजों पर वीटो लगाती है तो यह निराशाजनक ही होगा।भारतीय स्टेट बैंक के आर्थिक शोध डिवीजन ने इस सप्ताह जो साहसी रिपोर्ट जारी की है वह कृषि के लिए एक रास्ता सुझाती है. 'दिप्रिंट' की यूथिका भार्गव की रिपोर्ट बताती है कि स्टेट बैंक के मुताबिक, एमएसपी से किस तरह केवल गिनती के किसानों को ही फायदा मिलता है और यह मात्र 6 फीसदी कृषि उपज पर ही लागू होती है. इसलिए कहीं ज्यादा बड़े सुधारों की ज़रूरत है और एमएसपी से हट कर बाज़ार की ओर रुख करने की ज़रूरत है, न कि इसकी उलटी दिशा में जाने की। क्या इस भाजपा की राजनीति ने इस तरह के मसले पर कोई कदम उठाने की गुंजाइश छोड़ी है ड़ वैसे, शिवराज सिंह चौहान को कृषि मंत्री बनाकर पार्टी ने अच्छा फैसला किया है. दो दशकों तक मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने मध्य प्रदेश में कृषि का कायापलट किया. उन्हें आमतौर पर मिलनसार, सुलहकारी और राजनीतिक कौशल वाला नेता माना जाता है. भाजपा में उन्हें वाजपेयी युग में ढले नेताओं की आखिरी खेप में शामिल माना जाता है. इस मसले पर उन्हें पर्याप्त समर्थन मिल पाना कठिन तो है मगर ऐसा हुआ तो यह सुखद आश्चर्य होगा। किसान वाले मसले पर झटका अगर नाकाम कृषि कानूनों के कारण लगा, तो 'जवान' वाली समस्या भी ऐसी ही अहंकारी हड़बड़ी की देन है. सेनाओं में छोटी अवधि की सेवा का, खासकर 'अदर रैंक' वालों (गैर-कमीशंड अफसर, सिपाही या जवान) के लिए समय तीन दशक पहले ज़रूर आया था।

इस व्यवस्था से पेंशन पर बढ़ता खर्च काबू में आता और सेना के आधुनिकीकरण के लिए ज्यादा पैसा उपलब्ध होता, लेकिन इसका बड़ा लाभ यह है कि सेना जवां उम्र वालों की हो जाएगी (आज उसमें औसत उम्र 33 साल है, जो काफी बड़ी है) और यह व्यवस्था बदलती टेक्नोलॉजी के हिसाब से ज्यादा अनुकूल है. इसके अलावा, यह युवाओं को सेना को सेवा प्रदान करने का मौका देती है और उन्हें ज्यादा हुनरमंद तथा रोज़गार-सक्षम बनाती है। तीन कृषि कानूनों की तरह यह पहल भी चर्चा के अभाव के कारण अभिशप्त हो गई. 'अग्निपथ' योजना के कारण अब काफी कुछ बदल जाएगा. उदाहरण के लिए इस बात को किस तरह जायज़ ठहराया जा सकता है कि एक ही खंदक में एक ही यूनिट के दो तरह के सैनिक एक बम हमले में मारे जाएंगे तो उन दो वर्गों के जवानों के परिवारों को अलग-अलग मुआवजा मिलेगा. क्या उन जवानों को अलग-अलग तरह का बिल्ला पहनाना और उनके दो वर्ग बनाना ज़रूरी है अफसरों के लिए इमरजेंसी और शॉर्ट सर्विस कमीशन के रूप में एक बना-बनाया मॉडल तो उपलब्ध था, जिसमें हर कोई सेवा के दौरान एक जैसा था मगर उनकी सेवा अवधि अलग होती थी और उन्हें सेवा समाप्ति पर इस अवधि के हिसाब से लाभ मिलते थे. इस तरह के बड़े बदलावों के साथ चुनौतियां जुड़ी होती हैं, लेकिन उन्हें अधिक धैर्यपूर्ण रवैया अपनाकर और सभी दावेदारों को साथ लेकर चलने से कम किया जा सकता था। मोदी की इस सरकार को इन भारी चुनौतियों का मुकाबला उस संपूर्ण सत्ता (जिसकी वह आदी हो चुकी थी) के बिना और 'सेशन-दर-सेशन' निरंतर जारी हमलों के बीच करना पड़ेगा और हम जानते हैं कि क्रिकेट मैच में पिच समय बीतने के साथ खराब होती जाती है. इसलिए मोदी का तीसरा कार्यकाल पिछले दो जैसा कतई नहीं है।

: द प्रिंट से साभार-यह लेखक के अपने विचार हैं।

निशाना

परंपरा पुरानी है !

- कृष्णेन्द्र राय

लेकर टिकट वितरण को ।
है मचा बवाल ।।
दिया कैसे उनको ।
बड़ा है सवाल ।।
परंपरा पुरानी है ।
है होता हर हाल ।।
पाने खातिर टिकट ।
जाते बुनते जाल ।।
उसी को निभाना है ।
लो बातें ये जान ।।
केवल नहीं एक ।
और भी महान ।।
हो जाएंगे बाग़ी ।
रखा नहीं यदि ख्याल ।।
हमको भी है आती ।
चलनी नई चाल ।।

आज का इतिहास

- 1489-निजाम खान को सिकंदर शाह लोदी द्वितीय के नाम से दिल्ली का सुल्तान घोषित किया गया।
- 1712-इंग्लैंड, पुर्तगाल और फ्रांस ने युद्धविराम संधि पर हस्ताक्षर किए।
- 1850-हार्वर्ड वेधशाला ने तारे का पहला फोटोग्राफ लिया।
- 1893-इंग्लैंड के आर्थर श्रेव्सबरी टेस्ट क्रिकेट में 1000 रन बनाने वाले पहले क्रिकेटर बने।
- 1919-यूरोपीय देश फिनलैंड में संविधान को स्वीकृति प्रदान की गई।
- 1929-सोवियत संघ ने चीन के साथ कूटनीतिक संबंध समाप्त किए।
- 1943-ब्रिटेन की रॉयल एयर फोर्स (आरएएफ) ने जर्मनी के पीनमुंदे रॉकेट बेस पर हमला किया।
- 1943-परमवीर चक्र सम्मानित भारतीय सैनिक फूलाइंग ऑफ़सिर निर्मलजीत सिंह सेखों का जन्म।
- 1948-भारत में महिलाओं को भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा समेत सभी सार्वजनिक सेवाओं में भर्ती होने की पात्रता मिली।
- 1950-पंजाब के पठानकोट शहर के पास भारत की पहली यात्री विमान दुर्घटना।
- 1971-हिंदी और भोजपुरी फ़ल्मिों के सक्रिय अभिनेता रवि किशन का जन्म।
- 1870 क्रिसमस को संयुक्त राज्य में एक संघीय अवकाश घोषित किया गया।
- 1879 जर्मन कंपनी लिंडे कार्ल वॉन लिंडे द्वारा स्थापित की गई।
- 1886 फ्रांसीसी रसायनज्ञ हेनरी मोइसन ने बताया कि वह मौलिक फ्लोरीन को अलग-थलग करने में सक्षम थे, जिसके लिए उन्होंने बाद में रसायन विज्ञान में नोबल पुरस्कार जीता।
- 1987-ईरान और फ्रांस के बीच राजनयिक संबंध टूटे।
- 1992-भारत की प्रसिद्ध अभिनेत्री, गायिका और फ़ल्मि निर्माता कानन देवी का निधन।
- 1906 पहला ग्रैंड प्रिक्स मोटर रेसिंग इवेंट आयोजित हुआ।
- 1994-धूमकेतू शुमेकर लेवी-9 का पहला टुकड़ा बृहस्पति से टकराया।
- 1995- फोर्ब्स पत्रिका ने माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स को दुनिया का सबसे अमीर आदमी घोषित किया।

दिमाग ठंडा हो तो फैसले गलत नहीं होते, और भाषा मीठी हो तो अपने दूर नहीं होते!

कारगिल के सबक दूर करेंगे अग्निपथ की खामियां

सी. उदय भास्कर

कारगिल युद्ध (1999) में 4 जुलाई का बड़ा महत्व है, इस दिन इस युद्ध के क्रियान्वयन एवं राजनीतिक पहलुओं पर गोष्ठियां आयोजित होती हैं। इस बार, वर्तमान चुनौती-अग्निपथ योजना-के बीच चले विमर्शों ने ऊंचाई वाले रणक्षेत्र के रक्षा प्रबंधन तंत्र में सुधार हेतु महत्वपूर्ण उपाय पेश किए हैं। क्रियान्वयन के स्तर पर, टाइगर हिल (16,606 फीट) पर 18वीं ग्रेनेडियर बटालियन की 'घातक' पलटन द्वारा किया कब्जा भारत के लिए निर्णायक मोड़ वाला रहा, पाकिस्तानी सेना का नेतृत्व कर रहे जनरल परवेज़ मुशर्रफ को इस नुकसान से भान हो चला था कि यह उनके बेवकूफाना दुस्साहस के अंत की शुरुआत है। राजनीतिक स्तर पर, तत्कालीन पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ ने अमेरिकी राष्ट्रपति से वाशिंगटन डीसी में तत्काल मुलाकात के लिए समय मांगा, इसका परिणाम स्पष्ट था। जहां नवाज़ शरीफ की इच्छा अमेरिकी दखल से भारत को संयमित करवाने की थी वहीं क्लिंटन का संदेश एकदम दृढ़ था 'पाकिस्तानी फौजियों को वास्तविक नियंत्रण सीमा के पार, वापस अपनी पुरानी जगह पर लौटना होगा।' लाचार हुए पाकिस्तान प्रधानमंत्री के पास इस सलाह को मानने के अलावा कोई अन्य चारा न था, यह थप्पड़ रावलपिंडी के पाकिस्तानी सेना मुख्यालय में बैठे जनरलों के मुंह पर भी अपमान का तमाचा था।हालांकि, आधिकारिक रूप से युद्ध 26 जुलाई को समाप्त घोषित हुआ था, जिसे भारत में 'विजय दिवस' के रूप में मनाया जाता है और संभावना है कि भाजपा नीत एनडीए गठबंधन की सरकार इस अवसर की 25वीं वर्षगांठ को विशाल स्तर पर मनाएगी। इस लड़ाई के परिणामों का गहराई से आकलन और विमर्श, भारत की मौजूदा राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों के संदर्भ में इनकी प्रासंगिकता की अहमियत पर पुनर्विचार करने का आह्वान करते हैं।

वर्ष 1999 के युद्ध साल को कई वजहों से त्रिकोणीय कहा जा सकता है मसलन, चाहे यह 'परमाणु परछाई' (भारत और पाकिस्तान, दोनों ने, मई 1998 में अपनी परमाणु समर्था का प्रदर्शन किया) या दिसम्बर, 1991 में महाशक्तियों के बीच शीत युद्ध की समाप्ति के बाद कारगिल युद्ध इस उप-महाद्वीप का पहला बड़ा संघर्ष था या फिर इस तथ्य के मद्देनज़र कि उस वक्त अटल बिहारी वाजपेयी कार्यकारी प्रधानमंत्री थे। लेकिन मेरी नज़र में इस युद्ध का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम वह फैसला था जब भाजपा नीत एनडीए ने लड़ाई से पहले की कोताहियों और कमियों की उद्देश्यपूर्ण समीक्षा के लिए गैर-सरकारी विशेषज्ञों के समूह को काम सौंपना स्वीकार किया।

कारगिल युद्ध जीत थी भारतीय फौजी की कभी न दबने वाली लड़ाकू खासियत और पराक्रम की, और टाइगर हिल एवं तोलोलिंग चोटी

पर फतह इसका जीवंत उदाहरण है। बेशक जहां इस बहादुरी को याद किया जाता है और मानना बनता है, वहीं बड़ी संख्या में जवानों की कीमती जानों का बलिदान हुआ, वहीं ऊंचाई वाले रणक्षेत्र की बाबत देश के रक्षा विभाग के कर्ता-धर्ताओं को उनकी व्यापक असफलताओं के लिए कठघरे में भी खड़ा करता है।

यह श्रेय तत्कालीन प्रधानमंत्री वाजपेयी को जाता है कि उन्होंने 29 जुलाई, 1999 को रक्षा अध्ययन विशेषज्ञ के. सुब्रह्मण्यम के नेतृत्व में एक समीक्षा कमेटी गठित की, जिसको काम सौंपा गया- जम्मू-कश्मीर के लद्दाख जिले के कारगिल में पाकिस्तानियों की घुसपैठ के पूर्व-कारकों की पड़ताल और भविष्य में इस प्रकार की सशस्त्र सेंधमारी से राष्ट्रीय सुरक्षा को पैदा होने वाले खतरों की रोकथाम के आवश्यक उपाय सुझाना। विशेष व प्रशंसनीय ढंग से, कारगिल समीक्षा कमेटी ने समय से पहले अपना काम दिसम्बर, 1999 के मध्य में पूरा कर दिखाया तयशुदा सीमा से एक महीना पहले और 23 फरवरी, 2000 को कारगिल रिपोर्ट संसद में पेश की गई। तुरंत बाद, यह रिपोर्ट बतौर एक किताब छपी और कुछ हिस्सों की कांट-छांट के बाद सार्वजनिक तौर पर भी जारी हुई। 'कारगिल-1999' नामक यह रिपोर्ट काफी हद तक पारदर्शितापूर्ण है जबकि अक्टुबर, 1962 में चीन के हाथों मिली अभागी हार की समीक्षा में ऐसा अभी तक नहीं हो पाया। नेहरू से लेकर मोदी तक आए, किसी भी प्रधानमंत्री ने इतना निश्चय नहीं दिखाया कि हेंडरसन-ब्रुक्स रिपोर्ट को सार्वजनिक रूप से जारी किया जाए, हालांकि लीक हुए दस्तावेज साइबर स्पेस पर उपलब्ध हैं।

आज, कारगिल विजय के 25 साल बाद, यह शर्म की बात है कि कारगिल समीक्षा समिति द्वारा सुझाई मुख्य हिदायतों में बहुतों पर संसद में न तो विमर्श हुआ न ही संबंधित संसदीय समिति में विस्तारित और रचनात्मक ढंग से इस पर विचार हुआ। तुर्रा यह है बात जब राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के मुख्य निर्णयों की बात आए तो पारदर्शिता की बजाय हद दर्जे की पर्देदारी और पैदा की गई अस्पष्टता का आवरण चढ़ा दिया जाता है। एक बड़ा उदाहरण है, जून, 2022 को लागू की गई अग्निपथ योजना, जिसके तहत युवा फौजियों को चार साल के सीमित कार्यकाल के लिए भर्ती किया जाना है। हालिया लोकसभा चुनाव में अग्निपथ योजना काफी बड़ा मुद्दा बनकर उभरी और राजनीतिक रूप से ध्यान का मुख्य केंद्र बनी रही। मोदी सरकार की असहजता बढ़ाते हुए, इस योजना के खिलाफ पहली आवाज खुद मुख्य सहयोगी दल जदयू ने उठाई। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर संसद को गुमराह करने का आरोप रक्षा मंत्री पर लगाया है। इस मुद्दे पर तेज़ाबी राजनीतिक प्रतिरोध का माहौल जोर पकड़ता जा रहा है, उधर सोशल मीडिया पर चल रहे 'संग्राम' में तीनों अंगों के पूर्व मुखिया भी कूद पड़े हैं। पूर्व थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज नरवाणे ने विमोचन की बाट जोह रही अपनी किताब में इस योजना के संदर्भ में लिखा है 'सेना ने बतौर एक छोटा प्रयोग, मध्यमार्गी स्वरूप में, यह प्रस्तावित योजना प्रधानमंत्री कार्यालय को सौंपी थी, जिसने आगे इसमें भारी बदलाव करते हुए, पेंशन का भार कम करने की खातिर, सेना में भर्ती और सेवाकाल का नया प्रारूप बनाकर लागू कर डाला। दो पूर्व नौसेना प्रमुख (एडमिरल अरुण प्रकाश और एडमिरल केबी सिंह) ने सार्वजनिक रूप से अपने विचार प्रकट करते हुए इस योजना की कमियां गिनाई हैं, उनके अनुसार जल्दबाजी में लागू की गई इस योजना के पीछे मुख्य कारण वित्तीय कोण है। जैसा कि अनुमान था, मोदी सरकार ने अग्निपथ के बचाव में, भाजपा में शामिल हो चुके, पूर्व वायुसेनाध्यक्ष एअर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया को मैदान में उतारा। इस तरह एक संवेदनशील राष्ट्रीय मुद्दा राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के कड़वाहट भरे ध्रुवीकृत खेल में तबदील हो गया। यह खतरनाक है और इससे बचा जाना चाहिए था। सरकार चाहे तो संसद और मीडिया में चल रही गर्मागर्म बहसों का तापमान ठंडा करने को, इस मौजूदा समस्या का हल कारगिल से मिले सबक लागू कर निकाल सकती है। वह विपक्ष और शिकायत कर रहे जनपक्ष को आश्वस्त करे कि जाने-माने गैर-राजनीतिक विशेषज्ञों की टीम द्वारा, खुले मन से, तय समय-सीमा के भीतर, इस योजना पर पुनर्विचार करवाया जाएगा।यह पहली बार नहीं होगा कि वक्त की हुकूमत सेना की भर्ती- नीतियों की पुनर्समीक्षा करवाना चाहेगी, इसके लिए विगत में ले. के बालाराम और ले. जनरल हरवंत सिंह द्वारा बनाई रिपोर्टों का पुनः अध्ययन किया जा सकता है।

: लेखक सोसायटी फॉर पॉलिसी स्टडीज़ के निदेशक हैं। यह उनके विचार हैं।

ट्रेन की टक्कर से मिट गया बाघ का परिवार, देर रात तक घायल शावकों के पास बैठी रही बघिन

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

बुधनी और मिडघाट के बीच एक बाघ परिवार के साथ बड़ी घटना घट गई। बाघ के दो शावक और एक बाघ टहलते हुए बुदनी और मिडघाट के बीच रेलवे ट्रैक पर आ पहुंचे। बेफिक्री में रेलवे ट्रैक पर टहलने के दौरान ही सोमवार की दोपहर में उसी ट्रेक पर ट्रेन आ गई। ट्रेन की चपेट में आने से एक बाघ की मौत हो गई जबकि दो छोटे शावक घायल हो गए। इनके इलाज के लिए भोपाल से डॉक्टर्स की टीम यहां पहुंची है। टीम इन शावकों को बचाने की कवायद में जुटी थी उसी समय देर शाम मौके पर एक बाघिन भी आ गई। बाघिन को आता देखकर हमले के भय से वन विभाग के कर्मचारियों को मौके से पीछे हटना पड़ा। यह गंभीर हादसा सोमवार सुबह 11 से 12 बजे के बीच बुधनी के मिडघाट रेलवे ट्रैक के खंभा नंबर 800/18 के पास हुआ। रेंजर महिपाल सिंह ने बताया कि रेलवे ट्रैक पर 1 बाघ का शव मिला है जिस पर चोटों के निशान है। उसके साथ दो शावक भी घायल हुए हैं। इन शावकों का वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू किया है। सीहोर के डीएफओ एमएस डाबर ने कहा कि एक बाघ की ट्रेन से टकराने से मौत हो गई है। दो अन्य शावक घायल हैं। दोनों शावको की उम्र एक- एक साल बताई जा रही है। इस मामले में डिप्टी डायरेक्टर वन विहार भोपाल एसके सिन्हा ने कहा कि वन विहार के वाइल्ड लाइफ डॉक्टर्स और रेस्क्यू टीम मौके पर भेजी गई हैं। फिलहाल टीम लौटकर नहीं आई हैं। उनके आने के बाद ही पूरी तस्वीर साफ होगी।

शावकों की हो रही निगरानी:

वन विभाग के कर्मचारी अरविंद कुमार के मुताबिक बाघ के शव को रेलवे ट्रैक कें किनारे नीचे से उठाया गया। शव को बुधनी रेंज लाए हैं। ट्रेन की टक्कर से घायल बाघ शावकों को मौके पर ही इलाज दिया जा रहा था तभी शावकों की मां बाघिन भी वहां आ गई। बाघिन के अचानक मौके पर आने कर्मचारी और अधिकारी घबरा गए। बाघिन की चपेट में आने से बचने के लिए कर्मचारियों ने मौके से दौड़कर लगाकर खुद को सुरक्षित किया। इस भागमभाग में वन विभाग की एसडीओ के पैर में चोट आने की बात भी सामने आ रही है। वन विभाग ने शावकों की निगरानी के लिए वन विभाग के दो कर्मचारी उनसे कुछ दूरी पर सुरक्षित स्थान पर तैनात किए हैं। समाचार लिखे जाने तक बाघिन दोनों शावकों के पास बैठी हुई थी।

पहले भी चपेट में आ चुके है जानवर :

सोमवार की घटना को देखकर अब शासन को इन वन्यजीवो की सुरक्षा के लिए जल्द एक्शन लेना चाहिए। क्योंकि यह कोई पहली बार नहीं है, कई बार इसी ट्रेन रूट पर कई जंगली जानवर ट्रैन की चपेट में आप चुके है। इसी तरह इटारसी से नागपुर लाइन पर भी कई बार भालू, तेदुआ, हिरण, बाघ आदि ट्रैन की चपेट में आये है। लेकिन वन विभाग गहरी नींद में सो रहा है।

मोहर्रम पर्व के लिए समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए: कलेक्टर

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर कार्यालय में सोमवार को कलेक्टर सोनिया मीना ने आगामी 17 जुलाई को मोहर्रम पर्व को दृष्टिगत रखते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। कलेक्टर सुश्री मीना ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे मोहर्रम पर्व के लिए आवश?यक समस्त व्यवस्थाएं कराया जाना सुनिश्चित करें। बैठक में पुलिस अधीक्षक डॉ गुरूकरन सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सौजान सिंह रावत, सिटी मजिस्ट्रेट, समस्त एसडीएम, सीएमओ हेमेश्वरी पटले, समस्त तहसीलदार एवं समस्त एसडीओपी उपस्थित रहे।कलेक्टर सुश्री मीना ने कहा कि मोहर्रम पर्व के दौरान फेक न्यूज की सतत मानीटरिंग की जाए। नगर सहित जिले के समस्त नर्मदा नदी के घाटो पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाए साथ ही साफ-सफाई, पेयजल आदि की पुख्ता व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए। मोहर्रम पर्व के दौरान समस्त एसडीएम सहित सर्वसंबंधित विभागो के अधिकारी अपने-अपने कार्य क्षेत्र में विशेष नजर रखे व मोहर्रम जुलूस शांति पूर्वक और बिना व्यवधान के निकले इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं अभी से सुनिश्चित की जाए इसका विशेष ध्यान रखा जाए। पर्व पर होने वाले कार्यक्रम को ध्यान में रखकर सुरक्षा की दृष्टि से मोहर्रम पर्व का जुलूस निकालने वाले मुस्लिम कमेटी के अध्यक्ष व सदस्यों से चर्चा कर जुलूस के रूट चार्ट की जानकारी प्राप्त करे व निर्धारित रूट पर समस्त संबंधित विभाग समन्वयक बनाकर समस्त आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करे। यथा सुरक्षा, साफ-सफाई, पेयजल व सुरक्षा आदि व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए। रूट चार्ट के अनुसार मोहर्रम जुलूस के ताजिये जिन-जिन स्थानो पर विसर्जित होंगे उन स्थानो पर आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्व में ही किया जाना सुनिश्चित करें। जुलूस के रूट पर विशेष ध्यान रखे।

अब प्रत्येक माह विद्युत संबंधी समस्याओ पर होगी चर्चा

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

नवागत विधायक प्रतिनिधि, अधिवक्ता देवेंद्र सिंह परिहार ने सोमवार को पीपल मोहल्ला स्थित मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्यालय पहुंचकर उप महाप्रबंधक अंकुर मिश्रा से मुलाकात की और विद्युत संबंधी समस्याओं पर एक घंटा चर्चा की। उप महाप्रबंधक अंकुर मिश्रा ने उन्हें विद्युत कंपनी द्वारा आगामी समय में किए जाने वाले कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि करीब 15 ट्रांसफार्मर लगना है जिनका सर्वे कार्य पूर्ण हो चुका और स्वीकृति के अलावा फंड भी रिलीज हो चुका है। शीघ्र काम शुरू होना है। पहली मुलाकात करने पहुंचे विधायक प्रतिनिधि देवेंद्र सिंह परिहार ने कहा कि स्टाफ के फोन नहीं उठाने की शिकायत हमेशा सुनने में आती है इस पर ध्यान दिया जाए, ताकि उपभोक्ता परेशान न हो। बीते कुछ माह से समय पर रीडिंग नहीं ली जाने की भी समस्या है। इस पर कहा इंदौर से तकनीकी समस्या के कारण ऐसा हुआ है। विधायक प्रतिनिधि ने औद्योगिक क्षेत्र कीरतपुर में असमय कटौती, अवैद्य कनेक्शन, बिजली चोरी सहित अन्य विषय पर भी चर्चा की। इस दौरान प्रत्येक माह बैठक रखने का निर्णय भी हुआ, ताकि बिजली संबंधी समस्याओं और उनके निदान पर विस्तृत चर्चा की जा सके। आगामी शनिवार को स्टाफ के साथ एक परिचय बैठक भी रखी जायेगी। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि श्री परिहार ने शहर प्रबंधक अखिलेश कन्नोजे से भी मुलाकात की। इस अवसर पर नगरपालिका उपाध्यक्ष निर्मल सिंह राजपूत, आरटीओ में विधायक प्रतिनिधि अभिषेक कन्नौजिया, उद्योग विभाग में विधायक प्रतिनिधि अशोक मालवीय, अनुसूचित जाति जिला महामंत्री विनोद लोंगरे, पार्षद प्रतिनिधि राजकुमार बाबरिया, सौरव राजपूत, मौजूद थे।

'भीड़ से अलग दिखना है तो कठिन रास्तों पर चलें'

एकलव्य विद्यालयों के शिक्षकों की कार्यशाला संपन्न

बच्चों को अच्छा नागरिक बनने की शिक्षा दें शिक्षक

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

भीड़ से अलग दिखना है तो कठिन रास्तों पर चलना पड़ेगा उक्त विचार अनुसूचित जाति तथा जनजातीय कार्य विभाग नर्मदापुरम के संभागायुक्त जेपी यादव ने आदिवासी विद्यार्थियों के लिए संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों मे नव नियुक्त शिक्षकों की एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय केसला भरगदा के ऑडिटोरियम में रविवार को आयोजित एक दिवसीय दिशा दर्शन कार्यशाला में व्यक्त किए। कार्यशाला में नर्मदा पुरम संभाग के पांच एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय केसला, शाहपुर, भैंसदेही, चिचोली तथा रहटगांव के लगभग 150 प्राचार्य, शिक्षक और अन्य स्टाफ सम्मिलित हुआ ।कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए संभागीय उपायुक्त जनजातीय कार्य जे.पी. यादव ने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों से आकार नर्मदापुरम संभाग में नियुक्त हुए शिक्षकों का मध्य प्रदेश की धरती पर स्वागत है। मध्य प्रदेश एक सुन्दर, दर्शनीय, शांति की भूमि और प्रगतिशील प्रदेश है। उन्होंने कहा कि शिक्षक बच्चों को एक अच्छा नागरिक बनने की शिक्षा दें। बच्चों में चाहे ज्ञान कम हो लेकिन संवेदना, सहनशीलता, भाईचारे की भावना होना ज़रूरी है। नैतिक गुणों से ही सर्वांगीण विकास संभव है। अध्यापन कार्य में ज्ञान के साथ-साथ ज्ञान का प्रस्तुतीकरण महत्वपूर्ण है। ज्ञान कम हो सकने के बावजूद प्रभावी और रोचक प्रस्तुतीकरण विषय वस्तु को समझने में ज्यादा सहायक और सरल होते हैं। शिक्षकों को बच्चों के बड़े भाई-बहन की भूमिका का निर्वहन करना चाहिए, ताकि बच्चे अपनी समस्याओं को बिना संकोच के बता सकें। शिक्षकों को बच्चों के सामने आदर्श प्रस्तुत करना चाहिए, ताकि उनके पदचिन्हों पर चलकर बच्चे जीवन में सफल हो सकें। श्री यादव ने तनाव प्रबंधन पर भी शिक्षकों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि तनाव को कम करने के लिए जिंदगी में कुछ शौक जरूरी है। गाना गाइये, चित्रकारी करिए, अपने विचारों को लिखना सीखिए, पुस्तकें सबसे अच्छी दोस्त है उन्हें पढ़ना सीखिए, मोबाइल की जगह रीडिंग हैबिट को विकसित करें, अच्छी संगत और अच्छे विचारों का साथ रखें। नकारात्मक विचार और नकारात्मक लोगों से अपने को दूर रखें। प्रकृति के करीब रहें। भूतकाल की घटनाओं को भूलकर और भविष्य की चिंता किए बिना वर्तमान में जीना सीखें। कोई भी समस्याएँ स्थाई नहीं है। शिक्षक आत्म अनुशासित, सक्रिय, रचनात्मक और नवाचारी बनें। अपनी अलग पहचान बनाना है तो ऐसा कुछ अलग करके दिखाना होता है जो ओर लोग नहीं कियें हों। भीड़ से अलग दिखना है तो कठिन रास्तों पर चलें।

कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर विजयन्त सिंह ठाकुर ने मूल्य आधारित शिक्षा तथा शिक्षा में कौशल एवं पीटर रेबेलो द्वारा एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय की परिकल्पना उद्देश्य तथा नई शिक्षा नीति पर प्रभावी प्रस्तुतिकरण दिया। प्रभारी सहायक आयुक्त संजय द्विवेदी ने स्वागत भाषण दिया। इस अवसर पर प्रतिभागी शिक्षकों ने अपने फीडबैक में कार्यशाला को प्रभावी और उपयोगी बताया तथा भविष्य में इसी प्रकार के आयोजन करने की आवश्यकता बताई।

इस अवसर पर प्रतिभागी शिक्षक साधवी पाटील शाहपुर, ईशा सिंह केसला, एकता रस्तोगी, नितिन भालेकर (रहटगाँव), दीक्षा मीणा, कृष्णा गुर्जर भैंसदेही तथा सचिन तिवारी ने अपनी विभिन्न प्रस्तुतियों दी। संस्था की प्राचार्य श्रीमती मीनू नागर ने अतिथियों का स्वागत किया तथा आभार व्यक्त किया। कार्यशाला में अन्य संस्थाओं के प्राचार्य गुलाब राय बर्डे शाहपुर, निशांत पडंया भैंसदेही, दौलत हिंगवे चिचोली भी उपस्थित रहे।

केन्द्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री चौहान ने रतनपुर में किया पौधरोपण

रायसेन। पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन हेतु शुरू किए गए एक पेड़ मॉ के नाम अभियान के तहत आज केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा रायसेन जिले के ग्राम रतनपुर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। उन्होंने नागरिकों से आव्हान किया कि सभी अधिक से अधिक पौधरोपण करते हुए पर्यावरण संरक्षण में अपनी सहभागिता निभाएं। पौधरोपण के साथ ही उनकी देखभाल और सुरक्षा भी जरूरी है। जिस प्रकार मॉ अपने बच्चे की देखभाल करती है, उसी प्रकार हमें भी रोपित किए गए पौधे की देखभाल करनी है। जिससे कि वह वृक्ष का आकार ले सकें। केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किया गया एक पेड़ मॉ के नाम अभियान जन-जन का अभियान बन गया है और नागरिक पर्यावरण के प्रति जागरूक हो रहे हैं तथा अधिक से अधिक पौधरोपण कर अपना योगदान दे रहे हैं। इस अवसर पर सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, पूर्व मंत्री रामपाल सिंह, कलेक्टर अरविंद दुब भी उपस्थित रहे।

अब तक 238 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज बीते 24 घंटे में हुई 8.3 मिलीमीटर वर्षा

रायसेन। जिले में 01 जून 2024 से 15 जुलाई 2024 तक 238 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है जो कि गत वर्ष इसी अवधि में हुई औसत वर्षा से 98.6 मिलीमीटर कम है। जिले की वर्षा ऋतु में सामान्य औसत वर्षा 1197.1 मिलीमीटर है। 01 जून 2024 से 15 जुलाई 2024 तक जिले के वर्षामापी केन्द्र रायसेन में 271 मिलीमीटर, गैरतगंज में 128.9, बेगमगंज में 271.5, सिलवानी में 261.2, गौहरगंज में 264, बरेली में 349.8, उदयपुरा में 275.4, बाड़ी में 274, सुल्तानपुर में 119.9 तथा वर्षामापी केन्द्र देवरी में 164.3 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। बीते 24 घंटे में 8.3 मिलीमीटर औसत वर्षा जिले में बीते 24 घंटे में 15 जुलाई 2024 को प्रातः 08 बजे तक 8.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान वर्षामापी केन्द्र रायसेन में 01 मिलीमीटर, गैरतगंज में 20, बेगमगंज में 0, सिलवानी में 0, गौहरगंज में 03, बरेली में 24.2, उदयपुरा में 0, बाड़ी में 21, सुल्तानपुर में 2.1 तथा वर्षामापी केन्द्र देवरी में 12.1 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

मेट्रो एंकर सभी शासकीय कार्यालय में फेस आईडी मशीन लगाई जाए, संभागायुक्त ने गूगल मीट में कलेक्टर्स को दिए निर्देश..

सभी जिले लक्ष्य से चार से पांच गुना ज्यादा पौधारोपण करें: संभागायुक्त

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

नर्मदापुरम संभागायुक्त के जी तिवारी ने नर्मदापुरम संभाग के बैतूल, नर्मदापुरम, हरदा जिले के कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि वह सभी शासकीय कार्यालयों में एवं कलेक्टर कार्यालय में अधिकारी एवं कर्मचारीयों के कार्यालय में समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करे, इसके लिए कलेक्टर कार्यालय सहित सभी शासकीय कार्यालय में फेस आईडी मशीन लगाई जाए। फेस आईडी मशीन से कार्यालयीन समय पर चार बार अधिकारी एवं कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। पहले उपस्थित प्रातः10-00 बजे, दूसरी उपस्थित दोपहर 1-30 बजे, तीसरी उपस्थित दोपहर 2-00 बजे एवं अंतिम उपस्थित शाम 6-00 बजे सुनिश्चित की जाए। संभागायुक्त ने सभी कलेक्टर को निर्देश दिए कि वह चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी से लेकर अधिकारी स्तर तक के सभी अधीनस्थ अमले को कार्यालय में समय पर आने पर के लिए जागरूक करें। मीटिंग लेने की आवश्यकता है तो मीटिंग लेकर उन्हें अवेयर करें। संभागायुक्त ने सोमवार को तीनों जिलों के कलेक्टर को गूगल मिट के माध्यम से उक्त निर्देश जारी किए।

संभागायुक्त श्री तिवारी ने सभी कलेक्टर से कहां की वे शासन द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के लिए दिए गए पौधरोपण के लक्ष्य से चार से पांच गुना अधिक पौधरोपण करें। और पौधारोपण करने के पश्चात वायु दूत एप में फोटो अनिवार्य रूप से अपलोड कराए। संभागायुक्त ने कहा कि वायु दुत एप की निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है। उन्होंने कहा कि पौध रोपण का कार्यक्रम निरंतर चलता रहे। पौधारोपण के पश्चात पौधों की देखभाल भी प्राथमिकता से की जाए।

संभागायुक्त श्री तिवारी ने तीनों जिलों के कलेक्टर को निर्देश दिए की वह गंभीर मरीजों को रेफर करने के लिए एयर एंबुलेंस का उपयोग करें, उन्होंने बताया की गंभीर बीमारी से पीड़ित व्यक्ति अपना उपचार कराने अपने संसाधन से बड़े महानगरों में जाता है, यदि हम उन्हें शासन की निशुल्क एयर एंबुलेंस सेवा उपलब्ध करा दे तो उसका कष्ट कुछ कम हो जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार की इस निशुल्क सेवा का उपयोग अधिक से अधिक गंभीर मरीजों को रेफर करने में किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी इस बात को गंभीरता से लेवे।

संभागायुक्त ने कहा कि शासन की प्राथमिकता हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सभी कलेक्टर यह सुनिश्चित करें कि यदि उनके पास कोई जरूरतमंद व्यक्ति सहायता के लिए आता हो तो उसकी हर संभव सहायता की जाए, उन्होंने कहा कि जिन व्यक्तियों की कोई पहुंच नहीं है ऐसे लोगों की मदद सबसे पहले की जाए। उन्होंने कहां की सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि यदि उनके कार्यालय में कोई व्यक्ति जेनुइन काम के लिए आता है तो उसके साथ शालीनता का व्यवहार करें। उसे बैठा कर पेयजल अवश्य दें। सभी कलेक्टर्स या सुनिश्चित करें कि उनका अधीनस्थ अमला आम जनता से शालिन व्यवहार करें।

श्री तिवारी ने गूगल मीट के माध्यम से जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा की और समीक्षा के दौरान सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि वे अभियान के तहत लिए गए कुंए, बावड़ी, तालाब, नदी, नालो के साफ सफाई एवं पुनर्जीवन के कार्य को समय सीमा में पूर्ण करें। कोई भी कार्य अपूर्ण स्थिति में ना रहे।

उन्होंने वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम पर और ज्यादा वर्क करने के निर्देश देते हुए कहा कि लोगों को अपने घरों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने के लिए प्रेरित किया जाए यदि थोड़े से भी पाइप लगाकर पानी संरक्षित किया जा सकता है तो अवश्य किया जाए। श्री तिवारी ने बताया कि शासन ने सभी जिलों में पुलिस बैंड की व्यवस्था की है। अब सभी सार्वजनिक कार्यक्रमों में पुलिस बैंड की उपस्थिति रहेगी। सार्वजनिक कार्यक्रम में पुलिस बैंड अपना प्रदर्शन करेगी।

संभागायुक?त ने फायर फाइटिंग के संबंध में निर्देश देते हुए कहा कि वर्तमान में 10 गांव के बीच में फायर फाइटिंग है जहां गैप हैं वहां अन्य फंड से व्यवस्था की जाए। उन्होंने कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर फंड का समुचित उपयोग करने के निर्देश दिए साथ ही फंड की मॉनिटरिंग करने के भी निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री तिवारी ने निर्देश दिए की एसीएस की बैठक में जितने प्रकरण थे उन सब प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करके पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए। संभागायुक्त ने सभी कलेक्टर को औद्योगिक दृष्टि से लैंड बैंक बनाने के निर्देश दिए और कहा की अभी से लैंड बैंक बनाने का कार्य किया जाए इसके लिए जमीन चिन्हित करके रखी जाए।श्री तिवारी ने प्रदर्शन आधारित मूल्यांकन फिर से शुरू करने के निर्देश देते हुए कहा कि इसकी रेगुलर मॉनिटरिंग हो, अधिकारियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर ही उनकी आगे की सीआर लिखी जाए। हर महीने अधिकारियों के कार्य की रैंकिंग देखकर उन्हें और भी अच्छा कार्य करने के लिए मोटिवेट करें।संभागायुक्त ने तीन नवीन कानून की जानकारी से सभी अधिकारियों को अवगत कराने के निर्देश दिए और कहां की जिन जिलों में तीन नए कानून को लेकर कार्यशाला नहीं हुई है वहां पर कार्यशाला कराके अधिकारियों को तीन नए कानून की जानकारी दी जाए। संभागायुक्त ने वर्षा काल मे होने वाली संभावित बाढ़ की स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की हरदा एवं नर्मदा पुरम कलेक्टर अपने घाटों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था रखें। उन्होंने खाद बीज की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि किसानों को खाद एवं बीच की कोई समस्या उत्पन्न ना हो, कहीं पर भी किसानो की लंबी लाइन ना लगे। श्री तिवारी ने पशुओं को बीमारियों से बचाने के लिए पशुओं का शत प्रतिशत टीकाकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही निराश्रित मवेशियों के सड़कों पर बैठने की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने सभी कलेक्टर को निर्देश दिए की निराश्रित पशुओं के पुनर्वास के लिए उन सभी को गौशाला एवं कांजी हाउस में पहुंचाया जाए।

पारदी परिवारों के आने से आसपास के गांवों में बनी भय की स्थिति

पूर्व में हो चुकी है डकैती हत्या की वारदात

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

ग्राम इकोदिया इकलौद के बीच वन विभाग की नर्सरी के समीप अचानक बाहर से आए लगभग 25 पारदी परिवारों ने अपना अस्थाई ठिकाना बना लिया है जिसको लेकर आसपास के ग्रामीणों के बीच भय का वातावरण है ग्रामीणों ने इन पारदी परिवारों को उक्त स्थान से हटाने की मांग की है सूचना के बाद भी प्रशासन की ओर से इस तरह का कोई भी कदम नहीं उठाया गया अब ग्रामीणों के बीच डर का माहौल है अकोदिया निवासी किसान सुरेंद्र रघुवंशी ने बताया कि पूर्व में डकैती हत्या की घटना हुई थी जिसमें खुलासा होने के बाद सामने आया था कि घटना को अंजाम देने वाले पारदी थे कहीं फिर दोबारा इस तरह की अप्रिय घटना घटित ना हो इसको ध्यान में रखते हुए स्थानीय प्रशासन को बाहर से आए इन परिवारों की जांच पड़ताल कर मौके से हटाया जाए आखिर वन भूमि पर इस तरह से अचानक आकर अस्थाई निवास बनाने वाले लोगों की मंशा क्या है यह स्पष्ट होना चाहिए।

महिला और बच्चे कर रहे गांवो में भ्रमण' – ग्रामीणों ने बताया कि इन पारदी परिवारों के पुरुष हमेशा नदारद रहते हैं उनके अस्थाई ठिकानों पर महिला बच्चों का डेरा जमा रहता है बच्चे एवं महिलाएं दिन में गांवो का भ्रमण करती हैं पूछने पर कोई भी बात नहीं बताती और मरने मारने के लिए उतारू हो जाती है कहीं किसी बड़ी घटना को अंजाम दे इससे पहले उनकी पड़ताल प्रशासन को करना अति आवश्यक है यहां पर इनका अस्थाई ठिकाना बना कर रहना क्या उद्देश्य है आखिर यह काम क्या करते हैं क्यों यहां आए हैं कहां से हैं गांव के चौकीदार ने मौके पर पहुंच कर उनसे पूछताछ की तो महिलाएं मारने के लिए उतारू हो गई ग्रामीणों ने प्रशासन से पारदी परिवारों को हटाने की मांग की है।

सोयाबीन में खरपतवार से बचाव के उपाय

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

किसान कल्याण कृषि विकास विभाग के उप संचालक केएस खपाडिया ने कृषकों को सलाह दी है कि सोयाबीन में कीट रोग एवं खरपतवार का नियंत्रण समय पर नहीं करने से उत्पादन प्रभावित होता है। फसल में प्रमुख रूप से संकड़ी पत्ती या एक दलपत्रीय एवं चौड़ी पत्ती या दो दलपत्रीय खरपतवार पाए जाते हैं। जैसे सवा घास, दूब घास, बोकना, बोकनी, मोथा, दिवालिया, छोटी बड़ी दुद्दी, हजार दाना, सफेद मुर्ग इत्यादि। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ उप संचालक खपाडिया ने कृषि वैज्ञानिकों की सलाह का हवाला देते हुए बताया है कि फसल की प्रारंभिक अवस्था में 45 से 60 दिन तक फसल खरपतवार मुक्त रहनी चाहिए। इसके लिए 15 से 20 दिन की स्थिति में बेल चलित डोरा या ऽ कल्पा चलाना चाहिए या निंदाई-- गुड़ाई करनी चाहिए। लगातार बारिश - की स्थिति में खरपतवार प्रबंधन - रसायन के छिड़काव किया जा - सकता है। केवल अनुशंसित खरपतवारनाशी का ही उपयोग करें। खरपतवारनाशकों के छिडकाव के लिए 500 लीटर पानी प्रति हैक्टेयर का उपयोग करें। खरपतवारनाशकों के छिड़काव के लिए फ्लैट फेन या फ्लड जेट नोजल का ही उपयोग करें। छिड़काव नम या भुरभुरी मिट्टी में ही करें। सूखी मिट्टी पर छिडकाव नहीं करें। एक ही खरपतवारनाशी का उपयोग बार-बार नहीं करे। रसायन चक्र को अपनाएं। एक से अधिक खरपतवारनाशक या उनका अन्य किसीखरपतवारनाशकों या कीटनाशक के साथ मिश्रित उपयोग कदापि नहीं करें जो अनुशंसित नहीं हो। इससे सोयाबीन के पूर्णतः खराब होने की आशंका रहती है। बोवनी के पूर्व या बोवनी के तुरंत बाद खरपतवारनाशियों के उपयोग किए जाने की स्थिति में 20 से 25 दिन की स्थिति में बेल चलित डोरा या कल्पा चलाना चाहिए।

आदर्श ग्रामों में सभी विभागों की उपलब्धियां शत प्रतिशत परलिक्षित हो: कलेक्टर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर ने सोमवार को लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में चयनित पांच आदर्श ग्रामो में संपादित किए जाने वाले कार्यो का भी जायजा लिया है। उन्होंने कहा है कि पीएम जनमन योजना के अंतर्गत जिले के पांच विकासखण्डो के एक-एक ग्राम आदर्श ग्राम के रूप में चिन्हांकित किए गए है इन ग्रामो में रहने वाले नागरिकों को शासन की तमाम योजनाओं का विभागवार हितलाभ प्रदाय कराया जाना है वहीं ग्राम विकास के लिए आवश्यक अद्योसंरचनाओं के कार्यो का भी निर्माण विभागो के द्वारा संपादन कराया जाना है।

कलेक्टर ने कहा कि आदर्श ग्रामो के भ्रमण के दौरान कहीं भी किसी भी प्रकार से लापरवाही परलिक्षित ना हो इसके लिए सभी विभागो के अधिकारी इन ग्रामो का भ्रमण कर विभागीय योजनाओं व कार्यक्रमों से हितलाभ का वितरण कराया जाना सुनिश्चित करें।

पीएम जनमन योजना के अंतर्गत सहरिया बसाहट के चिन्हित पांच आदर्श ग्राम के संबंध में बैठक में बताया गया कि ग्यारसपुर विकासखण्ड कि ग्राम पंचायत मढीपुर का सहरिया बसाहट मढीपुर, विदिशा में पिपरियाअजीत, बासौदा में डिन्डोली तथा नटेरन विकासखण्ड की ग्राम पंचायत दिघौनी का खेजडातिला एवं कुरवाई के जरगुंवा पंचायत में सहरिया बसाहट पीरोठा शामिल है। सम्पूर्णता अभियान के लक्ष्यपूर्ति में कोई कोताही ना बरतें- कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य ने आकांक्षी जिला व विकासखण्ड में क्रियान्वयन संपूर्णता अभियान के लक्ष्यपूर्तियों में किसी भी प्रकार की कोताही ना बरती जाए पर विशेष ध्यान देने के निर्देश सोमवार को लंबित आवेदनो की समीक्षा बैठक में दिए है। उन्होंने कहा है कि स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग एवं शिक्षा विभाग से संबंधित छह पैरामीटर पर अभियान का क्रियान्वयन किया जाना है। कलेक्टरने कहा कि आकांक्षी विकासखण्ड व जिले में सम्पूर्णता अभियान के लिए पृथक-पृथक छह पैरामीटर निर्धारित किए गए है जिनका शत प्रतिशत क्रियान्वयन किया जाना है। अतः जिला अधिकारी इस ओर विशेष पहल करें ताकि चिन्हित वर्ग के हितग्राहियों को योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ दिलाया जा सकें और आवश्यता के अनुसार बुनियादी सुविधाओं की पूर्ति की जा सकें।

सीएम हाउस में शिकायत के बाद एसडीएम ने नामांतरण किया निरस्त, विक्रय पर लगाया प्रतिबंध

25 से 30 करोड़ की कस्टोडियन की जमीन पर सांठ-गांठ से काटी जा रही थी कॉलोनी

क्या प्रशासन करायेगा गरीब प्लाट खरीदारों के पैसे वापस

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगरीय क्षेत्र में कई भूमाफियाओं के द्वारा फर्जी दस्तावेज तैयार करके सरकारी पट्टे की जमीन से लेकर कस्टोडियन की भूमि पर भी कालौनी काटकर भोले वाले लोगों को चूना लगने का काम किया जा रहा है ।इसी तरह का एक मामला एक बार फिर सामने आया है ।आरोन रोड पर हाईवे से लगी कस्टोडियन की लगभग 25 से 30 करोड़ की जमीन पर पुनर्वास विभाग भोपाल तथा राजस्व विभाग के अधिकारियों तथा कर्मचारी से मिली भगत करके कस्टोडियन भूमि का फर्जी तरीके से हिवा नाम तैयार करके सारे खास महीने पहले तो उक्त जमीन को वही दिन भी के नाम पर कराया फिर यहां पर क्राउन सिटी के नाम से कॉलोनी काटने का काम किया जा रहा था। जिसकी शिकायत 3 साल पहले अमना वी ने स्थानीय अधिकारियों से लेकर विधायक कलेक्टर राजस्व विभाग के अधिकारियों ,पुनर्वास विभाग के अधिकारियों से लेकर मुख्यमंत्री से की थी इसके बाद सीएम हाउस के निर्देश पर जमीन की जांच पड़ताल पुनर्वास विभाग लेकर राजस्व विभाग प्रमुख सचिव ने जांच के लिए कलेक्टर को निर्देश किया कलेक्टर के निर्देश पर एसडीएम हर्षल चौधरी ने मामले की जांच करते हुए पाया कि तीनों सर्वे नंबर की जमीन कस्टोडियन के नाम पर दर्ज थी वक्त जमीन पर उसे समय के तहसीलदार के द्वारा किए गए नामांतरण को निरस्त कर दिया साथ ही पुनर्विवाह के तत्काल उप सचिव के द्वारा किए गए आदेश को भी निरस्त कर दिया गया है । अब जमीन को कस्टोडियन के नाम पर करने के लिए प्रतिवेदन बनाकर एसडीएम ने कलेक्टर को भेज दिया उक्त जमीन के विक्रय पर भी पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगा दिया गया है। 2022 से जमीन के नामांतरण भी नहीं किया जा रहे थे। उससे पहले जरूर कुछ तहसीलदारों ने कस्टोडियन की जमीन पर काटी जा रही कॉलोनी के नामांतरण कर दिए गए हैं। क्योंकि कॉलोनी काटने वालों के द्वारा सभी से मिलजुलकर इस गोरख धंधे को अंजाम दिया जा रहा था तभी तो उसे समय पदस्थ स्थानीय अधिकारियों से शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं हो पा रही थी विधायक से भी शिकायत की गई थी पीड़ित को सीएम से शिकायत करनी पड़ी तब जाकर इतने बड़े गड़बड़ झाले का पर्दाफाश हुआ और आगे कार्रवाई हो पाई है। वहीं जिन लोगों ने इस जमीन को खरीद लिया है क्या उनके नामांतरण भी निरस्त होंगे और जिनको कॉलोनी काटने वाले शारिक हाशमी ने लोभ लालच देकर का कस्टोडियन जमीन बेचने कारनामा कर दिया रानी की बात तो है की जानकारी होने के बाद भी तत्कालीन अधिकारी आंखें बंद करके तमाशा देखते रहे इनकी अनदेखी की सजा इस कॉलोनी में प्लाट लेने वालों को भी भुगतनी पड़ सकती है। प्रशासन नाक के नीचे कस्टोडियन की जमीन बिक रही है कॉलोनी भी काट गई पर किसी ने ध्यान नहीं दिया जबकि उस जमीन की कीमत 25 से 30 करोड़ आ रही है सरकारी रिकॉर्ड में ही 20 करोड़ से ऊपर रेट आ रहा है भूमि हाईवे रोड पर है। एसडीएम ने बताया कि कस्टोडियन की जमीन पर क्राउन सिटी के नाम से सारे कश्मीर के द्वारा कालोनी काटी जा रही थी उक्त जमीन सरकारी रिकॉर्ड में कस्टोडियन की थी पर पुनर्विवाह विभाग से मिली भगत करके जमीन का नामांतरण राज विभाग से खुलवाकर प्लाटिंग की जा रही थी जिसकी शिकायत मानवी के द्वारा सीएम हाउस में की थी कलेक्टर निर्देश पर जांच की गई तो जांच में पाया गया कि फर्जी हिवा वहीदन वी के नाम पर करवा कर शरिक हाशमी द्वारा सर्वे नंबर 1248 जमीन, 0706 सर्वे नंबर 1249, रकवा 1.429 सर्वे नंबर 1255 रकवा .0379 जोकि कस्टोडियन के नाम पर रिकॉर्ड में दर्ज है उसको गलत तरीके से नाम करवा कर बेचने का काम किया गया जांच के बाद शिकायत सही पाई गई जमीन के विक्रय पर प्रतिबंध लगा दिया गया है जमीन को सरकारी बंदोबस्त में कस्टोडियन के नाम पर दर्ज करने के लिए भी प्रतिवेदन बनाकर कलेक्टर को भेजा गया है जहां से आगे की कार्रवाई होगी दूसरी ओर अभी जमीन को सरकारी रिकॉर्ड में कस्टोडियन के नाम पर नहीं की गई है केवल विक्रय पर प्रतिबंध लगा हुआ है । वहीं देखना है कि कलेक्टर के द्वारा कितने जल्दी जालसाजी करके कस्टोडियन की जमीन को विक्रय करने वालों पर प्राथमिक भी दर्ज कराकर रिकॉर्ड में जमीन को शासकीय घोषित करने का काम कब तक किया जाएगा । इस तरह के फर्जी हिवा के माध्यम से नगर में कई जगह पर किए गए हैं कस्टोडियन की जमीन को बेचकर कालोनियां काट दी गई है प्लांट लेकर घर बनाने वाले अब परेशान हो रहे हैं। समय रहते जिम्मेदारियां को कस्टोडियन की जमीन पर कॉलोनी काटने वालों पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए थी पर नहीं की गई सूत्र बताते हैं इसके बदले में नीचे से लेकर ऊपर तक के अधिकारियों को मोटी रकम दी गई इस वजह से सभी ने आंखें बंद करके कस्टोडियन की जमीन का नामांतरण फर्जी हिवा के आधार पर कर दिया । वहीं कहते हैं गलत काम की एक न एक दिन पोल खुलती है वहां बात आज सच साबित हो गई।

इनका कहना है

शारिक हाशमी के द्वारा कस्टोडियन की जमीन पर कॉलोनी काटने का काम किया जाता फर्जी हिवा के आधार पर नामांतरण करवाया था उसको भी निरस्त करके जमीन के विक्रय पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। कस्टोडियन के नाम पर जमीन बंदोबस्त के लिए कलेक्टर को प्रतिवेदन भेजा जाएगा ।

हर्षल चौधरी एसडीएम

न्यायालय में विचाराधीन प्रकरणों की कलेक्टर ने की समीक्षा, दिए निर्देश

सिरोंज। कलेक्टर ने न्यायालय में विचाराधीन प्रकरणो की समीक्षा के दौरान विभागो के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि समय सीमा में जबाव दाखिल करना सुनिश्चित करें। जबाव कि एक प्रति जिला नोडल अधिकारी को भी उपलब्ध कराएं। बैठक में कलेक्टर श्री वैद्य ने आधार अपडेशन, खाद की आपूर्ति, छात्रावासो के विद्यार्थियों को मुहैया कराई जा रही सुविधाएं तथा स्वास्थ्य परीक्षण के प्रबंध सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए है। कलेक्टेट के बेतवा सभागार में सम्पन्न हुई इस बैठक में जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट, अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर सहित विभिन्न विभागो के जिलाधिकारी मौजूद रहें।

तीन प्रकरणों में जिला बदर की कार्यवाही तथा तीन को दिए थाना हाजिरी के आदेश

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट बुद्धेश कुमार वैद्य के द्वारा तीन प्रकरणों में जिला बदर तथा तीन अपराधियों को थाना हाजिरी के आदेश दिए गए हैं। अनावेदक रितिक उर्फ छिंगा रैकवार निवासी माता मंदिर वाली गली थाना कोतवाली विदिशा को छः माह के लिए, अनावेदक सचिन अहिरवार निवासी शेरूबाबू अहिरवार निवासी पानी की टंकी के पास लोहांगी मोहल्ला थाना कोतवाली विदिशा को तीन माह के लिए तथा अनावेदक रूपेश शर्मा पिता स्व. मोहन शर्मा निवासी दनवास थाना मुरवास को तीन माह की अवधि के लिए जिला बदर किये जाने के आदेश पारित किये गये हैं।

कलेक्टर श्री वैद्य के द्वारा तीन अन्य आरोपियों जित्तू उर्फ जितेन्द्र कैवट पुत्र मुन्नालाल रेकवार निवासी ग्राम सतपाडसराय थाना करारिया विदिशा, मनीष पुत्र रामचरण कुशवाह निवासी आज्ञाराम कालोनी टपरिया थाना सिविल लाइन विदिशा, कन्हैयालाल लोधी पिता बालाराम थाना करारिया जिला विदिशा को राशि रुपये 50 हजार प्रतिभूति बंधपत्र निष्पादित करने एवं एक वर्ष के लिए संबंधित थाना में माह में दो बार थाना हाजिरी के आदेश दिये गये हैं।

आदेश में उल्लेखित किया गया है कि जिलाबदर निष्कासन अवधि के दौरान विदिशा एवं सीमावर्ती जिले, रायसेन, भोपाल, गुना, अशोकनगर, सागर एवं राजगढ की राजस्व सीमाओं में भी नही रह सकेगें। अनावेदक के इन जिलो के न्यायालयों में यदि कोई राजस्व/आपराधिक मामले गतिशील हो तो उन मामलो में तारीख पेशी के दिन उन जिलों के न्यायालय में आ एवं जा सकेगा इसके लिए अनावेदक को संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षक एवं संबंधित थाना प्रभारी को सूचना देना अनिवार्य होगा ।

मेट्रो एंकर | **मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना अंतर्गत सामूहिक विवाह का आयोजन**

25 विवाह और 32 निकाह के साथ 57 नवयुगल, परिणय सूत्र में बंधे, जिले में 124 जोड़े

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सोमवार को नगर में मध्यप्रदेश शासन सामाजिक न्याय एवं निःशक्त जन कल्याण विभाग अंतर्गत मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह के अंतर्गत सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया। कृषि उपज मंडी प्रांगण में संपन्न हुए इस सम्मेलन में 57 जोड़े विवाह बंधन में बंधे। इस अवसर पर कुरवाई विधायक हरि सिंह सप्रे ने स्थानीय नपाध्यक्ष एवं जनपद अध्यक्ष के साथ वर वधुओं को शुभकामनाएं देते हुए शासन द्वारा प्रदत्त उन्नचास हजार राशि के चेक प्रदान किए। इस अवसर पर वक्ताओं ने मध्यप्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओ ओर उनसे आमजन को सीधे तौर पर हो रहे प्रत्यक्ष लाभों पर प्रकाश डाला, इस अवसर पर पूर्व जनपद अध्यक्ष जितेंद्र बघेल ने पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा के शासन काल मे हुई ऐतिहासिक विवाह समारोह का भी स्मरण किया। इसके पूर्व विवाह सम्मेलन का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन एवं कन्या पूजन कर किया गया। इस दौरान कार्यक्रम को जनपद में विधायक प्रतिनिधि हमीरसिंह यादव,पार्षद सचिन शर्मा ने भी संबोधित किया। संचालन मनोज शर्मा ने एवं आभार बालमुकुंद कुशवाह ने व्यक्त किया।

सत्तावन जोड़े बंधे निकाह और विवाह के बंधन में - सम्मेलन में 25 विवाह व 32 निकाह एक ही परिसर में हुए। टेंट, विवाह मंडप, खाना आदि सभी व्यवस्थाएं नगर पालिका द्वारा की गईं थीं। एसडीएम हर्षल चौधरी, सीएमओ पवन शर्मा, जनपद सीईओ वंदना शर्मा व अन्य सरकारी अमला व्यवस्थाएं बनाने व निरीक्षण में जुटा हुआ था। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष पुष्पा यादव, नपा उपाध्यक्ष मनोज शर्मा,पथरिया मंडल अध्यक्ष राकेश रघुवंशी, नरेंद्र पाटीदार, पार्षद हरिचरण अहिरवार, जयनारायण सेन,तोषमणि पंथी,सीताराम कुशवाह आदि के साथ जनप्रतिनिधि एवं संगठन के पदाधिकारी भी मंच पर उपस्थित रहे। थोड़ी देर के लिये बारिश भी हुई लेकिन टेंट के ऊपर पॉलीथिन डली होने से कोई विशेष अव्यवस्था का सामना नहीं करना पड़ा।

सिरोंज में हुई सबसे ज्यादा शादियां - जिला पंचायत के अतिरिक्त सीईओ पंकज जैन ने बताया कि जनपद पंचायत कुरवाई में 10 कन्या विवाह, जनपद पंचायत ग्यारसपुर में 12 कन्या विवाह तथा जनपद पंचायत बासौदा में 07 कन्या विवाह और पांच निकाह, नगरपालिका लटेरी में 23 कन्या विवाह और 12 निकाह, नगरपालिका सिरोंज में 30 कन्या विवाह और 25 निकाह संपन्न हुए हैं। इस प्रकार कुल 87 कन्या विवाह और 37 निकाह मुख्यमंत्री कन्या विवाह निकाह योजना अंतर्गत संपन्न हुए और वर-वधु परिणय सूत्र में बधे हैं।

अर्जेंटीना ने 16वीं बार कोपा अमेरिका कप जीता

मियामी, एजेंसी

अर्जेंटीना ने रिकॉर्ड 16वीं बार कोपा अमेरिका फुटबॉल कप का खिताब जीत लिया है। मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए फाइनल में अर्जेंटीना ने कोलंबिया को 1-0 से हराया। निर्धारित 90 मिनट तक के खेल में स्कोर 0-0 रहा। मैच एक्सट्रा टाइम में गया। एक्स्ट्रा टाइम के पहले हाफ में भी दोनों टीमें गोल नहीं कर सकीं। आखिरकार मुकाबले के 112वें मिनट में अर्जेंटीना के लिए लौटारो मार्टिनेज ने गोल कर दिया। अंत तक यह बढ़त कायम रही और लियोनेल मेसी की कप्तानी वाली टीम 1-0 से मैच जीतकर चैंपियन बनी। कोपा अमेरिका में अर्जेंटीना की यह लगातार दूसरी खिताबी जीत है। इससे पहले 2021 में टीम ने ब्राजील को फाइनल में हराया था ।कोलंबिया ने आखिरी बार 23 साल पहले 2001 का फाइनल खेला था और अपनी मेजबानी में चैंपियन बनी थी।

64वें मिनट में मेसी हुए फिर से हुए चोटिल, मैच से हुए बाहर

दूसरे हाफ में मैच के 64वें मिनट में एक बार फिर से मेसी चोटिल हो गए और उनको बाहर जाना पड़ा। उनकी जगह निकोलस गोंजालेज को आना पड़ा। जब मेसी मैदान से बाहर गए तब तक दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर पाई थीं। मेसी बाहर जाने से काफी निराश थे वह रोते हुए नजर आए। कोपा अमेरिका की अर्जेंटीना सफल टीम है। रिकॉर्ड 16 बार खिताब अपने नाम किया है। वहीं ने 15 बार यह खिताब अपने नाम किया है। ब्राजील 9 और परागवे, चिली और पेरू की टीम 2-2 बार खिताब जीत चुकी हैं।

ज्यादा भीड़ की वजह से देरी से शुरू हुआ फाइनल

मियामी में कोपा अमेरिका का फाइनल देखने के लिए स्टेडियम के बाहर ज्यादा भीड़ उमड़ गई। कोलंबिया और अर्जेंटीना के बीच खेले जा रहे फाइनल को देखने के लिए बिना टिकट वाले भी पहुंच गए, जिसके बाद स्टेडियम के बाहर भागदौड़ सी स्थिति बन गई। वहीं दूसरी ओर, कोलंबिया ने टूर्नामेंट में सरप्राइज पैकेज का प्रदर्शन किया है। कोलंबिया ने सेमीफाइनल में उरुग्वे को 1-0 से हराया। टीम तीसरी बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची है।

कनाडा को हराकर उरुग्वे तीसरे स्थान पर रहा

पूर्व चैंपियन ने पेनल्टी शूटआउट मुकाबला 4-3 से जीत लिया

उत्तरी कैरोलिना (जर्मनी). एजेंसी

उरुग्वे ने कोपा अमेरिका कप फुटबॉल टूर्नामेंट के तीसरे स्थान के लिए खेले गए प्लेऑफ में कनाडा को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हरा दिया। निर्धारित समय तक दोनों टीमें 2-2 से बराबरी पर थीं, लेकिन पेनल्टी शूटआउट में पूर्व चैंपियन ने बाजी मारी। कनाडा के इस्माइल कोन के स्पॉट-किक को गोलकीपर सर्जियो रोशेट ने बचा लिया और उसके बाद अल्फोंसो डेविस की गेंद क्रॉसबार पर जा लगी, जिससे उरुग्वे ने शूटआउट 4-3 से जीत लिया।

सुआरेज ने दागा बराबरी का गोल

पहले हाफ में, रोड्रिगो बेंटानकुर ने कॉर्नर से गोल करके आठवें मिनट में उरुग्वे को बढ़त दिला दी, लेकिन 14 मिनट बाद ही कोन ने एक्रोबेटिक स्टाइल में गोल करके स्कोर बराबर कर दिया, कनाडा 80वें मिनट में फिर आगे हो गया जब जोनाथन डेविड ने गोल कर दिया। उरुग्वे ने लुइस सुआरेज के गोल से बराबरी की। सुआरेज ने अपने करियर का 69वां अंतरराष्ट्रीय गोल किया। सुआरेज ने फिर शूटआउट में भी सटीक निशाना साधा।

मिशन ओलंपिक: भारतीय टेनिस जोड़ी टूर्नामेंट से तैयारियों को परखेगी

बोपन्ना और बालाजी हैम्बर्ग ओपन में उतरेंगे

हैम्बर्ग (जर्मनी). एजेंसी

भारत के एन श्रीराम बालाजी पहले ओलंपिक की तैयारियों को अंतिम रूप देने भारतीय जोड़ीदार रोहन बोपन्ना संग 16 जुलाई को हैम्बर्ग ओपन में खेलने उतरेंगे। भारतीय पुरुष युगल जोड़ी अंतिम-16 में जर्मनी के जैकब श्नाइटर और मार्क वालनर की जोड़ी के खिलाफ उतरेंगे। भारतीय जोड़ी पेरिस ओलंपिक से पहले कोएशिया के उमाग में एटीपी 250 में भी खेलेंगे। यह ओलंपिक से पहले उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा।

रोहन के पास लय हासिल करने मौका

पेरिस में पदक जीतने के लक्ष्य को लेकर चल रही भारतीय पुरुष जोड़ी के लिए हैम्बर्ग ओपन बेहद अहम भूमिका निभाएगा। बोपन्ना और बालाजी

दोनों को क्ले कोर्ट पर खेलना पसंद है। हालाकि पिछले कुछ क्ले टूर्नामेंट में बोपन्ना का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। फ्रेंच ओपन और मैड्रिड ओपन में बोपन्ना को पहले दौर में हार मिली।

मेट्रो बाजार

जोमैटो व स्विगी से खाना मंगाना महंगा, 20% बढ़ी प्लेटफॉर्म फीस

मुंबई एजेंसी

ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो और स्विगी से खाना मंगाना अब थोड़ा और महंगा हो गया है। दोनों कंपनियों ने प्लेटफॉर्म चार्ज में 20 फीसदी का इजाफा किया है। अब दोनों कंपनियां के कस्टमर्स को हर ऑर्डर पर 6 रुपए प्लेटफॉर्म फीस देनी होगी।

जोमैटो और स्विगी दोनों ने बेंगलुरु और दिल्ली जैसे मार्केट्स के लिए यह प्लेटफॉर्म फीस बढ़ाई है। यह पहली बार नहीं जब दोनों कंपनियों ने प्लेटफॉर्म फीस में बढ़ोतरी की है। 3 महीने पहले भी दोनों कंपनियों ने प्लेटफॉर्म फीस बढ़ाकर 5 रुपए की थी। जोमैटो-स्विगी ने पिछले साल प्लेटफॉर्म फीस लेना शुरू किया था

दोनों कंपनियों ने प्रॉफिटेबिलिटी बढ़ाने के लिए यह फैसला लिया है। जोमैटो और स्विगी ने पिछले साल से प्लेटफॉर्म फीस लेना शुरू किया था। तब दोनों कंपनियां शुरुआत में 2 रुपए प्लेटफॉर्म फीस चार्ज करती थीं। बाद में दोनों इसे बढ़ाकर 3 रुपए और फिर 4 रुपए कर दिया था।

जोमैटो का शेयर बीते दिनों 2.80 फीसदी की तेजी के साथ 223.21 रुपए पर बंद हुआ। कंपनी के शेयर ने पिछले 5 दिन में 7.74 फीसदी, एक महीने में 19.85 फीसदी, 6 महीने में 67.32 फीसदी और एक साल में 170.39 फीसदी का रिटर्न दिया है। कंपनी ने जनवरी से अब तक शेयरहोल्डर्स को 79.29 फीसदी का रिटर्न दिया है। जोमैटो का मार्केट कैपिटलाइजेशन 1.93 लाख करोड़ रुपए है।

देश में 1 किलो टमाटर की कीमत 67.65 पहुंची

नईदिल्ली, एजेंसी

देशभर में टमाटर की कीमत लगातार बढ़ रही है। डिपार्टमेंट ऑफ कंज्यूमर अफेयर्स के आंकड़ों के अनुसार देश में एक किलो टमाटर की औसत खुदरा कीमत 67.65 रुपए पहुंच गई। अंडमान और निकोबार में टमाटर सबसे महंगा रहा, यहां 115 रुपए प्रति किलो बिका। आंध्रप्रदेश में सबसे सस्ता रहा, यहां टमाटर की खुदरा कीमत 46.75 प्रति किलो रही। दिल्ली में टमाटर 77 रुपए किलो बिक रही। देश के कई इलाकों में पहले गर्मी इसके बाद भारी बारिश और बाढ़ की वजह से टमाटर समेत कई सब्जियों की सप्लाई पर असर पड़ा है, जिससे टमाटर के साथ आलू-प्याज के दाम भी बढ़ रहे हैं। वहीं, आलू और प्याज की कीमत भी बढ़ रही है। बाजारों में आलू 30 से 62 रुपए किलो बिक रहा है तो प्याज भी कहीं-कहीं 40 से 60 रुपए प्रति किलो तक बिक रही है। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, नाम न बताने की शर्त पर कंज्यूमर अफेयर मिनिस्ट्री के एक अधिकारी ने बताया कि टमाटर की खुदरा कीमतें कई राज्यों में 75 के पार रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है और दक्षिणी राज्यों से सप्लाई में सुधार होने के कारण आने वाले दिनों में कीमतों में गिरावट आ सकती है। अधिकारी ने बताया कि दिल्ली और कुछ अन्य शहरों में आलू और प्याज की कीमतें भी बहुत अधिक हैं। रिपोर्ट के अनुसार, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक से हाइब्रिड टमाटर दिल्ली पहुंचने के साथ कीमतें कम होने लगेंगी। सरकार की सब्सिडी वाले टमाटर बेचने की फिलहाल कोई प्लानिंग नहीं है। पिछले साल कीमत 110 रुपए प्रति किलो पहुंचने पर टमाटर सब्सिडी के साथ सरकारी स्टॉल पर बेचे गए थे। बीते तीन सालों में भी बारिश में टमाटर के दामों में बढ़ोतरी का ट्रेंड दिखा है। पिछले साल जुलाई-अगस्त में इसके दाम 250 रुपए किलो तक पहुंच गए थे।

नेशनल डायरेक्ट वॉलीबॉल चैम्पियनशिप में मध्यप्रदेश की महिला टीम बनी विजेता

भोपाल. दोपहर मेट्रो

तृतीय राष्ट्रीय डायरेक्ट वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन मध्यप्रदेश डायरेक्ट वॉलीबॉल एसोसिएशन द्वारा भोपाल के बोनी फोई स्कूल के इंडोर ग्राउंड में हुआ। विभिन्न प्रदेशों से आए लगभग 300 महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों ने अपने शानदार खेल से प्रदेश वासियों का दिल जीत लिया। महिला वर्ग में फाइनल के रोमांचक मुकाबले में मध्यप्रदेश की टीम ने पिछली बार की चैम्पियन दिल्ली को हराकर खिताब अपने नाम किया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की विजेता बनकर अपने प्रदेश का गौरव बढ़ाया। विजेता मध्यप्रदेश टीम को ट्रॉफी के साथ नकद पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। मध्यप्रदेश टीम की स्टार खिलाड़ी कोयना दीक्षित को 'हीरो ऑफ द टूर्नामेंट' एवं रोनक हाशमी को 'बेस्ट नेटर' के अवार्ड से सम्मानित किया गया। विजेता टीम को एसोसिएशन इण्डिया के चेयरमैन अफरोज शाह खान, संरक्षक सुबोध श्रीवास्तव, प्रदेश उपाध्यक्ष राधेश्याम भार्गव, महासचिव रोहित सिंह, ज्वाइंट सेक्रेट्री फरहान उद्दीन, महिला टीम की मुख्य कोच हेमलता छतवानी ने हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई दी है। साथ ही सहयोगियों, साथियों, प्रायोजकों एवं समस्त खिलाड़ियों को इस सफल आयोजन में सहयोग करने के लिए आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया है।

पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर दानिश ने कहा-

'पाकिस्तान सुरक्षित नहीं, टीम इंडिया को नहीं आना चाहिए...'

नईदिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर दानिश कनेरिया का कहना है कि पाकिस्तान खेलने के लिए सुरक्षित नहीं है। टीम इंडिया को यहां नहीं आना चाहिए। पाकिस्तान में अगले साल आइसीसी वनडे चैंपियंस ट्रॉफी होनी है। भारत सरकार ने सुरक्षा कारणों से टीम इंडिया को भेजने से इनकार कर दिया है। बीसीसीआइ ने पीसीबी को हाइब्रिड मॉडल का सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि मैं बीसीसीआइ और भारत सरकार के फैसले से सहमत हूं। पाकिस्तान में अभी हालात ठीक नहीं हैं। भारतीय टीम का यहां आना सुरक्षा के लिहाज से सही नहीं होगा। मेरा मानना है कि पीसीबी को आखिर में हाइब्रिड मॉडल पर सहमत होना पड़ेगा, क्योंकि भारतीय टीम के बिना चैंपियंस ट्रॉफी का कोई महत्व नहीं रह जाएगा।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

रणदीप बोले-मैं शराब पीकर दिल की बातें कहता था, बाद में समझा ये तो नेटवर्किंग के लिए हैं...

बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा ने बॉलीवुड पार्टीज के बारे में बात की है। उन्होंने कहा कि बॉलीवुड पार्टीज नेटवर्किंग के लिए अहम होती हैं, ये बात उन्हें बहुत बाद में पता चली थी। वो तो शुरुआती करियर में इन पार्टियों में सिर्फ मौज-मस्ती के लिए जाते थे लेकिन इन पार्टियों की हकीकत का अंदाजा उन्हें काफी टाइम बाद हुआ। हाल ही में एक इंटरव्यू में रणदीप ने कहा, पार्टी तो बहुत करते हैं, लेकिन अब घर पर करते हैं । करियर के शुरुआती दौर में मैंने बहुत बॉलीवुड पार्टीज अटेंड कीं। मुझे बहुत बाद में पता चला कि ये तो नेटवर्किंग पार्टीज होती हैं और मैं वहां पार्टी करने जाता था। कनेक्शन और नेटवर्किंग बढ़ाने के बजाए मैं इन पार्टियों में शराब पीकर अपनी दिल की बातें कह देता था। पता नहीं किसको क्या बोला होगा। रणदीप ने आगे कहा, मुझे बहुत बाद में समझ आया कि इन पार्टियों में ऐसा नहीं किया जाता है। आपको केवल हाथ में ड्रिंक लेना होता है, लोगों के हालचाल लेकर उनसे बातें करनी होती हैं और ये पता करना होता है कि कौन किस फिल्म पर काम कर रहा है। ये बॉलीवुड पार्टीज केवल नेटवर्किंग पार्टीज होती हैं क्योंकि असली पार्टी तो आप अपने रियल फ्रेंड्स से करते हैं जिनके साथ आप कंफर्टेबल होते हैं।

वीर सावरकर से डायरेक्टोरियल डेब्यू किया: रणदीप हुड्डा की पिछली फिल्म स्वातंत्र्य वीर सावरकर थी। फिल्म में लीड रोल निभाने के साथ-साथ रणदीप ने इससे डायरेक्टोरियल डेब्यू भी किया था। रणदीप ने 2001 में फिल्म मानसून वेडिंग से डेब्यू किया था। इसके बाद वो कई फिल्मों में नजर आए हैं। रणदीप मॉडलिंग और प्रोडक्शन में भी हाथ आजमा चुके हैं।

महेश भट्ट को लग रहा था इमरान का करियर खत्म

डायरेक्टर मिलन लुथरिया की फिल्म 'वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई' में इमरान हाशमी ने अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम से प्रेरित शोएब खान का किरदार निभाया था। यह इमरान के करियर की कामयाब फिल्मों में से एक है। हालांकि, महेश भट्ट नहीं चाहते थे कि इमरान इस फिल्म में काम करें। उन्होंने इमरान से कहा था कि अगर यह फिल्म करेंगे तो करियर खत्म हो जाएगा। उन्हें फिल्म के क्लाइमैक्स से भी दिक्कत थी, लेकिन जब यह फिल्म सफल हुई तो महेश भट्ट ने फिल्म के डायरेक्टर मिलन लुथरिया से भी माफी मांगी थी। एक इंटरव्यू के दौरान इमरान हाशमी ने कहा- डायरेक्टर मिलन लुथरिया ने पहले फिल्म की कहानी महेश भट्ट को सुनाई थी। आमतौर पर देखा गया कि फिल्मों के ग्रे शेड के किरदार से निकलना आसान नहीं होता है। इमरान हाशमी आगे कहते हैं, 'भट्ट साहब ने कहा कि शोएब खान का ऐसा किरदार है, वो करोगे तो करियर खत्म हो जाएगा। उन्हें फिल्म के क्लाइमैक्स से दिक्कत थी। जिसमें दिखा गया है कि फिल्म का हीरो यानी अजय देवगन मर जाता है और विलेन यानी इमरान को ऐसे दिखाया जाता है जैसे वो अब मुंबई पर राज करेगा। उनका मानना था कि ऐसा क्लाइमैक्स दर्शक स्वीकार नहीं करेंगे।'

ऋचा ने होने वाले बच्चे के लिए सोशल मीडिया पर लिखा-आजा यार...

बॉलीवुड एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा इन दिनों प्रेग्नेंसी के आखिरी फेज में हैं। इस महीने के अंत तक वो मां बन जाएंगी। ऋचा अब अपने बच्चे को गोद में उठाने का और इंतजार नहीं कर पा रही हैं। हाल ही में उन्होंने इसे लेकर इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट लिखी है। ऋचा ने अपनी दो तस्वीरें शेयर की हैं जो कि किसी फोटोशूट की नजर आ रही हैं। इनके कैप्शन में ऋचा ने लिखा, %ये असहजता अकेलेपन की है, लेकिन मैं अकेली नहीं हूं। मुझे लगातार लगता है, जैसे कि कोई हरकत हो रही है, कोई किक मार रहा है, कोई मेरी बात सुन रहा है, मैं अब बेसब्री से इस कली के खिलने का इंतजार कर रही हूं। आजा यार! ऋचा की इस पोस्ट पर फैंस और सेलेब्स काफी रिएक्शन दे रहे हैं। ताहिरा कश्यप ने ऋचा की पोस्ट पर रिएक्ट करते हुए एक इमोजी बनाया। सैफ अली खान की बहन सबा ने भी ऋचा की पोस्ट पर दिल का इमोजी बनाकर रिएक्ट किया।

सेलेब्स ने भी लुटाया प्यार

ऋचा के इस पोस्ट पर बॉलीवुड सेलेब्स ने भी खूब प्यार लुटाया है। अभिनेत्री ताहिरा कश्यप और सैफ अली खान की बहन सबा अली खान ने कमेंट सेक्शन में ऋचा को शुभकामनाएं दी हैं। ऋचा और उनके पति अली फज़ल ने इसी साल फरवरी में अपने फैंस के साथ अपनी प्रेग्नेंसी की खुशखबरी साझा की थी। इसके बाद से ही वे लगातार अपने फैंस को अपनी प्रेग्नेंसी जर्नी की झलकियां दिखाती रही हैं।

इस साल फरवरी में सुनाई थी गुड न्यूज

बता दें कि ऋचा चड्ढा और अली फजल ने इसी साल फरवरी में फैंस के साथ गुड न्यूज शेयर की थी। प्रेग्नेंसी के दौरान ही एक्ट्रेस ने सीरीज हीरामंडी: द डायमंड बाजार के प्रमोशन में हिस्सा लिया था, हालांकि उसके बाद से ही वो मैटरनिटी ब्रेक पर हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मैटरनिटी ब्रेक खत्म होने के तुरंत बाद ही ऋचा अपनी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग शुरू करने वाली हैं। ऋचा ने 2017 में कोर्ट मैरिज के बाद 4 अक्टूबर 2022 को अली फजल से लखनऊ में शादी की थी।

मिलने के बहाने घर बुलाकर पिलाया था नशीला कोल्ड ड्रिंक

नशीला कोल्डड्रिंक पिलाकर गृहणी से दुष्कर्म, वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करता रहा इंस्टाग्राम फ्रेंड

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बाग सेवनियां थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में रहने वाले 24 साल की गृहणी को नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। इसी साल मार्च माह में आरोपी की पीड़िता से इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई थी। आरोपी ने मिलने के बहाने गृहणी को अपने घर बुलाकर वारदात को अंजाम दिया। आरोपी ने मोबाइल से अश्लील वीडियो बना लिया था। बाद में वीडियो वायरल करने की धमकी देकर आरोपी दुष्कर्म करता रहा। पुलिस के मुताबिक बाग सेवनियां क्षेत्र में रहने वाली 24 साल की महिला गृहणी हैं। पति प्राइवेट काम करता है। मार्च 2024 में महिला की इंस्टाग्राम पर कोलार निवासी नीलेश सेन से दोस्ती हुई थी। एक मई 2024 को नीलेश ने मिलने के लिए गृहणी को अपने कोलार स्थित घर बुलाया और कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया। बेसुध होते ही आरोपी नीलेश ने महिला के साथ दुष्कर्म किया और अपने मोबाइल से अश्लील वीडियो भी बना लिया। होश में आने पर गृहणी ने विरोध किया तो आरोपी ने वीडियो वायरल करने की धमकी दी। उसके बाद भी आरोपी ने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर पीड़िता से दुष्कर्म किया। अंतिम बार आरोपी ने 11 जुलाई 24 को गृहणी के घर में आकर दुष्कर्म किया। ब्लैकमेलिंग से तंग आकर पीड़िता ने अपने पति को सारा घटनाक्रम बता दिया और बाग सेवनियां थाने आकर आरोपी नीलेश सेन के खिलाफ प्रकरण दर्ज करा दिया।

पत्नी से अनबन के बाद पति ने लगाई फांसी, नहीं मिला सुसाइड नोट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बागसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित सब्जी मंडी के पास नंदी मेडिकल के पीछे सोमवार शाम रहने वाले एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि उसका पत्नी से विवाद चल रहा था और यहां वह किराया का कमरा लेकर रह रहा था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार पारस नाथ पिता दिनेश्वर प्रसाद (40) नंदी मेडिकल के पीछे, सब्जी मंडी बागसेवनिया में रहता था और प्राइवेट काम करता था। वह पत्नी के साथ अवधपुरी में रहता था, लेकिन कुछ समय से उसकी पत्नी से अनबन चल रही है। लिहाजा वह अपने पिता के घर के पास किराए का कमरा लेकर रह रहा था। पिता दिनेश्वर ने पुलिस को बताया कि सोमवार शाम वह पारस के कमरे में पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने पारस को फांसी के फंदे पर लटका देखा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया था। पुलिस का कहना है कि मृतक के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है।

पति और सास की नहीं हो सकी गिरफ्तारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। गोविंदपुरा स्थित साकेत नगर में जनसंपर्क संचालनालय की सहायक संचालक पूजा थापक ने 9 जुलाई मंगलवार सुबह अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस को सोशल मीडिया पर भेजा गया एक सुसाइड नोट मिला था, जिसे मरने से पहले पूजा ने अपनी बहन को भेजा था। सुसाइड नोट में उन्होंने पति और सास पर गंभीर आरोप लगाए थे। पुलिस ने मर्ग जांच, सुसाइड नोट और मायके पक्ष के बयान दर्ज करने के बाद पति और सास के खिलाफ दहेज मृत्यु समेत आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर लिया है। अभी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

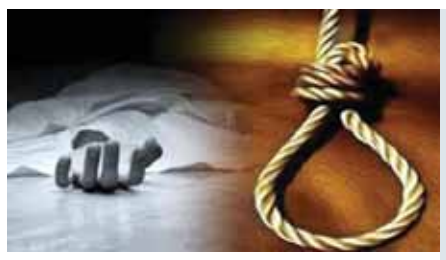

पुलिस के अनुसार पूजा थापक (33) साकेत नगर में रहती थी। वह जनसंपर्क संचालनालय में सहायक संचालक थी। वर्ष 2022 में उनकी शादी निखिल दुबे से हुई थी। निखिल दुबे अरेरा हिल्स स्थित सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग में सहायक संचालक हैं। दोनों का एक साल का एक बेटा है। पुलिस ने बताया कि मंगलवार 9 जुलाई की सुबह करीब साढ़े 10 बजे दंपती के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। जिसके बाद पूजा अपने कमरे में चली गई और दरवाजा बंद कर फांसी लगा ली। काफी देर तक पूजा ने दरवाजा नहीं खोला तो पति ने लोगों की मदद से किसी तरह दरवाजा तोड़ा था। इस दौरान पूजा फंदे पर लटकी नजर आई। वे पूजा को फंदे से उतारकर एम्स ले गए, वहां रात करीब 11 बजे के आसपास डॉक्टर ने पूजा को मृत घोषित कर दिया था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया था।

सहायक संचालक पूजा थापक सुसाइड मामला

भोपाल में फ्लैट की मांग कर रहा था ससुराल पक्ष

पुलिस की जांच में यह बात सामने आई कि शादी के समय पूजा थापक के परिवार ने चालीस लाख रुपए खर्च किए थे। इसके अलावा इंदौर में एक फ्लैट भी दिलाया था। मायके पक्ष ने आरोप लगाए थे कि भोपाल में भी एक फ्लैट लेने के लिए पूजा पर दबाव बनाया जा रहा था। पूजा नहीं चाहती थी कि उनका परिवार टूटे और बच्चे को भुगतान भुगतना पड़े। वह ससुराल पक्ष की यातनाएं सहती रही, लेकिन यातनाएं बढ़ने लगी और उसे आत्महत्या जैसा कदम उठाना पड़ा।

जान से मारने की धमकी दी

रेलवे की नर्सिंग अधिकारी को अश्लील मैसेज भेजे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र में रेलवे की नर्सिंग अधिकारी को मोबाइल पर अश्लील मैसेज भेजे जाने और जान से धमकी देने का मामला सामने आया है। घटना फरवरी महीने से लगातार चल रही है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। ईंटखेड़ी पुलिस के अनुसार 48 साल की महिला रेलवे में नर्सिंग अधिकारी हैं। उनके पति नहीं है। परिचित विशांत शर्मा से वर्ष 2021 से उनकी पहचान थी और वह विशांत शर्मा का उनके घर आना जाना था। उस दौरान पीड़िता ने अपना एक मोबाइल विशांत शर्मा को दे दिया था। विशांत शर्मा इन दिनों लकवा से गृसित हैं और वह मोबाइल विशांत शर्मा के बेटे के हाथ लग गया। विशांत शर्मा का बेटा मोबाइल का गलत इस्तेमाल करने लगा और पुरानी फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड करने लगा। पीड़िता ने विशांत शर्मा के बेटे का विरोध किया तो उसने जान से मारने की धमकी दे दी।

झोलाछाप कर रहे मरीजों की जान से खिलवाड़

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोलार तक में झोलाछाप डॉक्टर मरीजों का इलाज कर रहे हैं। कई होम्योपैथी डिग्री वाले डॉक्टर मरीजों को एलोपैथी दवा लिख रहे हैं। यह मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ है। पहले दिन जांच में तीन क्लीनिक फर्जी मिले। ऐसे लोगों के खिलाफ अब विभाग ने मोर्चा खोला है। सीएमएचओ के ने लोक स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा के पत्र की परिपालन में त्वरित कार्यवाही करते हुए, पहले ही दिन क्लीनिक्स, नर्सिंग होम्स, पैथोलॉजी लैब्स व कलेक्शन सेंटर्स की जांच व सत्यापन का अभियान शुरू किया गया।

मोहर्रम से पूर्व सुरक्षा व्यवस्था को लेकर शांति समिति की बैठक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आगामी त्यौहार मोहर्रम के अवसर पर ताजिया जुलूस के दौरान मार्ग व्यवस्था, बिजली व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था इत्यादि आवश्यक बिंदुओं को लेकर पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र द्वारा शांति समिति व गणमान्य नागरिको की सोमवार दोपहर पुलिस आयुक्त कार्यालय परिसर में बैठक आयोजित की गई, जिसमें अतिरिक्त पुलिस आयुक्त पंकज श्रीवास्तव, समस्त पुलिस उपायुक्त, अति. पुलिस उपायुक्त, नगर निगम, एमपीईबी, प्रशासनिक अधिकारी, शांति समिति के सदस्य व गणमान्य नागरिक समेत लगभग 300 लोग मौजूद रहे। उक्त बैठक को पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी द्वारा संबोधित किया गया एवं मोहर्रम त्यौहार की तैयारी एवं मार्ग व्यवस्था, बिजली व्यवस्था इत्यादि बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही गणमान्य नागरिकों के सुझाव तथा समस्या सुनी गई। सुझाव व समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

लोगों को धर्म बदलने का लालच दे रही महिलाएं पकड़ीं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पिपलानी क्षेत्र में महिलाओं द्वारा लोगों को लालच देकर धर्म बदलने के लिए प्रेरित करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने धार्मिक स्वतंत्रता के संरक्षण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। हालांकि सात साल से कम सजा वाला अपराध होने के कारण नोटिस देकर छोड़ दिया गया है। पिपलानी पुलिस ने बताया कि धनवीर सिंह ठाकुर कोकता क्षेत्र में रहते हैं। रविवार शाम दोस्तों से मिलने आनंद नगर के शिव नगर आए हुए थे। यहां पर कुछ महिलाएं एक विशेष धर्म का प्रचार करते हुए बुकलेट और पर्चा बांट रही थीं, साथ ही लोगों से बात करने की कोशिश कर रही थीं। यह देख धनवीर भी खड़े हो गए, तभी एक महिला उनके पास आई और धर्म के बारे में पूछा। धनवीर को एक पर्चा थमाते हुए कहा कि आप हमारा धर्म अपना लेते हो तो आपको 20 लाख रुपए दिए जाएंगे। आपके बच्चों की पढ़ाई का खर्चा भी उठाएंगे। धनवीर को धर्म परिवर्तन कराने का मामला समझ आने पर वे पिपलानी पुलिस को मामले की शिकायत कर दी।

पुलिस पहुंची तो महिलाएं बांट रही थीं पर्चा: मामले की शिकायत के बाद रात करीब 8.30 बजे पिपलानी पुलिस मौके पर पहुंची तब भी महिलाएं पर्चे बांट रही थीं। धनवीर की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मेरी वस्तवाल, मेरी मसीहा और सुमन मसीहा को हिरासत में लेकर उनके पास मिले आपत्तिजनक साहित्य को जब्त कर लिया है। पुलिस ने महिलाओं के खिलाफ वीएनएस की धारा 299, 3 (5), 3 (1), 5 धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया। मामला 7 साल से कम सजा के प्रावधान वाला होने के कारण पुलिस ने नोटिस देकर छोड़ दिया है।

ट्रेन की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बागसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित नारायण नगर रेलवे ट्रैक से आज सुबह करीब साढ़े 4 बजे पुलिस ने एक बुजुर्ग का शव बरामद किया है। बुजुर्ग की मौत ट्रेन की चपेट में आने से हुई है। उसके पास से ऐसा कोई भी दस्तावेज नहीं मिला है, जिससे की उसकी शिनाख्त की जा सके। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए मर्चूरी में रखवा दिया है। पुलिस ईश्वर नगर और आसपास के इलाके में लोगों को उसका हुलिया दिखाकर शिनाख्त करने का प्रयास कर रही है। एएसआई सुभाष त्यागी ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब साढ़े 4 बजे के आसपास सूचना मिली थी कि नारायण नगर में खंभा नंबर 827/37 के पीछे रेलवे ट्रैक पर किसी बुजुर्ग की लाश पड़ी हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद बुजुर्ग का शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया। मृतक की तलाशी लेने पर उसके पास से ऐसा कोई भी दस्तावेज नहीं मिला, जिससे की उसकी शिनाख्त की जा सके। उसकी करीब 60 साल के आसपास बताई जा रही है।

मेट्रो एंकर काटजू अस्पताल के पास मुख्य सड़क पर बाइक से आए लुटेरों ने की थी वारदात

सीएम हाउस के कर्मचारी से मोबाइल लूटने वाले लुटेरों का नहीं लगा सुराग

भोपाल, दोपहर मेट्रो। टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित काटजू अस्पताल के पास मुख्य सड़क पर परिजन से वीडियो कॉल पर बातचीत कर रहे सीएम हाउस के कर्मचारी से पल्सर बाइक से लुटेरो ने मोबाइल झपट लिया। घटना 26 जून रात करीब सवा दस बजे के आसपास की थी। 20 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस को लुटेरों का सुराग नहीं लगा।

पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज मिले हैं, लेकिन रात के फुटेज होने के कारण लुटेरों की बाइक का नंबर और चेहरा साफ नजर नहीं आ रहा है। उल्लेखनीय है कि प्रोफेसर कॉलोनी, श्यामला हिल्स निवासी 44 साल के धीरेंद्र शर्मा, सीएम हाउस के मीडिया सेल में फोटोग्राफर है। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि शुक्रवार रात वह दफ्तर से निकलने के बाद बाइक से जवाहर चौक स्थित भोजनालय जा रहे थे। वे काटजू अस्पताल के सामने मुख्य रोड पर पहुंचे ही थे कि सवा दस बजे के आसपास उनके मोबाइल पर वीडियो कॉल आया। वे वीडियो कॉल पर बातचीत कर रहे थे, तभी पीछे से आए बाइक सवार लुटेरों में पीछे बैठे लुटेरे ने उनके हाथ से मोबाइल झपट लिया। वे कुछ समझ पाते इससे पहले ही बाइक चला रहा लुटेरा बाइक तेजी से लेकर भागने लगा। धीरेंद्र ने बाइक सवारों का पीछा किया, लेकिन वे तेजी से निकल गए। इसके बाद धीरेंद्र शर्मा ने टीटी नगर थाने पहुंचकर शिकायत की। पुलिस ने लूट का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। लूटे गए मोबाइल की कीमत 15 हजार रुपए है।

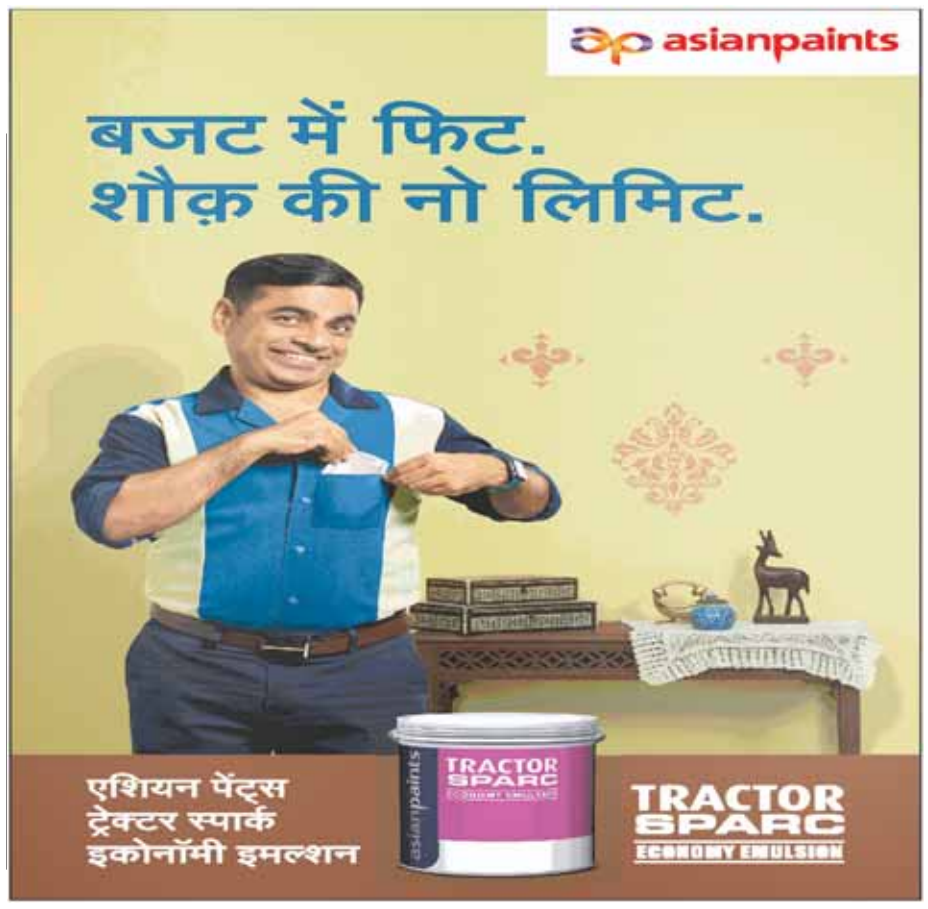

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022